राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार, 18 अगस्त 2022 वर्ष–5,अंक–201 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुख्यमंत्री धामी ने शहीद लांसनायक चन्द्रशेखर हर्बोला को दी श्रद्धांजलि

शहीद चन्द्रशेखर की स्मृतियों को भी सैन्य धाम में संजोया जायेगा

शहीद चंद्रशेखर हर्बोला का पार्थिव शरीर 38 वर्ष के पश्चात बुधवार को उनके आवास पहुंचा

हल्द्वानी। (एजेंसी)

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 1984 में सियाचिन में ऑपरेशन मेघदूत के दौरान शहीद हुए लांसनायक चन्द्रशेखर हर्बोला के पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शहीद चंद्रशेखर हर्बोला का पार्थिव शरीर 38 वर्ष के पश्चात बुधवार को उनके आवास पहुँचने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी एवं महिला सशक्तिकरण मंत्री रेखा आर्या ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। बुधवार को जैसे ही शहीद चन्द्रशेखर हर्बोला का पार्थिव शरीर डहरिया स्थित उनके आवास पर पहुँचा, पूरा क्षेत्र देश भक्ति नारों से गुंजायमान हो गया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि शहीद चन्द्रशेखर जी के बलिदान को हमेशा याद रखा जायेगा। उन्होंने कहा देश के लिए बलिदान देने वाले उत्तराखण्ड के सैनिकों की स्मृति में सैन्य धाम की स्थापना की जा रही है। शहीद चन्द्रशेखर की स्मृतियों को भी सैन्य धाम में संजोया जायेगा। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सरकार शहीद के परिवार के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़ी है। सरकार द्वारा शोक संतृप्त परिवार की हर सम्भव सहायता की जाएगी। पुष्प चक्र अर्पित करने के पश्चात शहीद चन्द्रशेखर का पार्थिव शरीर चित्रशिला घाट रानीबाग के लिए रवाना हुआ, जहां शहीद को पूरे राजकीय सम्मान व आर्मी बैण्ड की धुन के साथ भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में लोगों द्वारा नम आंखों से शहीद को श्रद्धांजलि दी गई।

संक्षिप्त समाचार

आतंकी नदीम के पास से यूपी एटीएस को कुछ अहम दस्तावेज मिले, बड़े हमले की तैयारी में था

लखनऊ । यूपी के सहारनपुर से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी मोहम्मद नदीम, कानपुर से गिरफ्तार हबीबुल इस्लाम उर्फ सैफुल्लाह और आजमगढ़ से गिरफ्तार सबाउद्दीन उर्फ उर्फ सबाउ यूपी एटीएस कस्टडी में है। इस बीच सहारनपुर से गिरफ्तार कथित जैश–ए–मोहम्मद के आतंकी नदीम के पास से यूपी एटीएस को कुछ अहम दस्तावेज मिले हैं, जिसमें खतरनाक प्लान का खुलासा हुआ है। सूत्रों के अनुसार आतंकी नदीम के पास से एटीएस को कुछ पीडीएफ फाइल्स मिले हैं। इन पीडीएफ फाइल्स से यूपी एटीएस को कथित आतंकी नदीम के मंसूबों के बारे में पता चला है। कथित आतंकी नदीम बड़ी आतंकी साजिश को अंजाम देने की फिराक में था। जांच के दौरान यूपी एटीएस को आतंकी नसीम के पास से अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं। आत्मघाती हमले के लिए जैकेट बनाने का तरीका, किस तरीके से आत्मघाती हमला करना है और क्या–क्या चीजें इस्तेमाल में लानी हैं, उससे सम्बंधित दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इन सभी डिटेल्स पीडीएफ फाइल में है। इतना ही नहीं, डायनामाइट कैसे बनता है, उसकी भी जानकारी डॉक्यूमेंट में थी, जिसे यूपी एटीएस ने बरामद किया है। विस्फोटक बनाने का तरीका से लेकर प्रयागशाला बनाने की जानकारी भी इन दस्तावेज में उपलब्ध है। बरामद की गई पीडीएफ फाइल्स में प्रयोगशाला बनाने की बात कही गई है कि आखिर किस तरीके से प्रयोगशाला बनाया जा सकता है। सहारनपुर के गंगोह से गिरफ्तार नदीम की फोन लोकेशन से पता लगा है कि वह अक्सर देवबंद जाया करता था।

सरकार आधार कार्ड पर नहीं दे रही कोई लोन, वायरल संदेशों के झांसे में न आएं

नई दिल्ली । सोशल मीडिया पर इन दिनों एक मैसेज वायरल हो रहा है कि केंद्र सरकार आधार कार्ड पर लोन उपलब्ध करा रही है। केंद्र सरकार युवाओं और बेरोजगारों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही। जहां तक आसान लोन देने की बात है तो सरकार ने पहले ही मुद्रा लोन योजना चला रखी है, जिसमें युवाओं को अपना रोजगार शुरू करने के लिए कम दरों पर लोन उपलब ध कराया जाता है। सरकार ने वायरल हो रहे संदेश को लेकर लोगों को आगाह किया है। सोशल मीडिया पर फैल रहे इस संदेश में दावा किया जा रहा है कि केंद्र सरकार सभी नागरिकों को उनके आधार कार्ड पर 4 l78 लाख रुपए का लोन उपलब्ध करा रही है। जिनके पास आधार कार्ड है, वे इस लोन के लिए अप्लाई कर सकते हैं। इससे पहले एक वायरल संदेश में यह भी दावा किया जा रहा था कि सरकार बेरोजगार युवाओं को 6,000 रुपए भत्ता दे रही है और इसका रजिस्ट्रेशन भी शुरू हो चुका है। वायरल पोस्ट के फैक्ट को जांचने के बाद पीआईबी की तरफ से ट्वीट कर स्थिति स्पष्ट की गई है। पीआईबी ने बताया कि यह दावा पूरी तरह से फर्जी है और सरकार की ओर से इस तरह का कोई लोन ऑफर नहीं किया जा रहा है। पीआईबी ने लोगों को इस तरह के संदेश को शेयर न करने की भी सलाह दी है। पीआईबी ने कहा कि फर्जीवाड़ा करने वाले इस तरह के झांसे देकर लोगों से उनकी निजी जानकारियं जुटा लेते हैं, ताकि उनके खाते में सेंध लगाना आसान हो जाए।

गृह मंत्रालय ने किया साफ

रोहिंग्या मुसलमानों को फ्लैट मुहैया कराने का कोई निर्देश नहीं दिया गया

(एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को स्पष्ट किया कि उसने दिल्ली में रोहिंग्या मुसलमानों को ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) श्रेणी के फ्लैट उपलब्ध कराने का कोई निर्देश नहीं दिया है और अरविंद केजरीवाल सरकार से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि अवैध विदेशियों को उनके वर्तमान स्थान पर रखा जाए। गृह मंत्रालय ने यह भी कहा कि अवैध विदेशी रोहिंग्याओं को कानून के अनुसार उनके देश वापस भेजने तक निरुद्ध केंद्र में रखा जाना चाहिए और दिल्ली सरकार को उनके ठहरने के वर्तमान स्थल को निरुद्ध केंद्र घोषित करने का निर्देश दिया गया है। गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, ''अवैध विदेशी रोहिंग्याओं के संबंध में मीडिया के कुछ वर्गों में समाचार के संबंध में, यह स्पष्ट किया जाता है कि गृह मंत्रालय ने नयी दिल्ली के बक्करवाला में रोहिंग्या अवैध प्रवासियों को ईडब्ल्यूएस फ्लैट प्रदान करने के लिए कोई निर्देश नहीं दिया है।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा रोहिंग्या मुसलमानों को एक नये स्थान पर स्थानांतरित करने के प्रस्तावित कदम पर, गृह मंत्रालय ने दिल्ली सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि अवैध विदेशी रोहिंग्याओं को उनके वर्तमान स्थान पर रखा जाए। क्योंकि उन्हें उनके देश वापस भेजने का मामला विदेश मंत्रालय के माध्यम से संबंधित देश के साथ पहले ही उठाया जा चुका है। प्रवक्ता ने कहा, ''अवैध विदेशियों को उनके देश वापस भेजने तक कानून के अनुसार निरुद्ध केंद्र में रखा जाना है। दिल्ली सरकार ने वर्तमान स्थान को निरुद्ध केंद्र घोषित नहीं किया है। उसे तुरंत ऐसा करने का निर्देश दिया गया है।'' बता दें कि, इससे पहल एएनआई की स्टोरी शेयर करते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ट्वीट किया कि भारत वैसे सभी लोगों का स्वागत करता है जो देश में शरणार्थी की मांग करते हैं। पुरी ने लिखा कि जो लोग भारत की रिफ्यूजी पॉलिसी के खिलाफ झूठी अफवाह फैलाने का काम करते हैं और इसे ष्ट से जोड़ते हैं उन्हें अब निराशा मिलेगी। भारत संयुक्त राष्ट्र के रिफ्यूजी कन्वेंशन 1951 को मानता है और रंग, धर्म और जाति के बिना जिसे भी जरूरत है उसे शरण देता है।

अपने देशवासियों के लिए सबसे सस्ते तेल का सौदा करना हमारा कर्तव्य : जयशंकर

नई दिल्ली । यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत की आलोचना पर पलटवार करते हुए विदेशमंत्री एस जयशंकर ने इस कदम को सही ठहराया है। उन्होंने बैंकॉक में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान कहा कि हर देश उच्च उर्जा कीमतों को कम करने के लिए सबसे अच्छा सौदा सुनिश्चित करने का प्रयास करता है और भारत भी यही कर रहा है। एस जयशंकर ने कहा भारत के लिए सबसे अच्छा सौदा सुनिश्चित करना उनका नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली रूसी कच्चे तेल पर अपनी स्थिति के बारे में बहुत ईमानदार और खुली है और दुनिया को इस वास्तविकता को स्वीकार करने की जरूरत है। यूक्रेन में युद्ध के बीच मास्को से आपूर्ति बंद करने के लिए भारत पर अमेरिका के बढ़ते दबाव के बीच यह बात दोहराई गई है। जयशंकर ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा यूरोप मध्य पूर्व और अन्य स्रोतों से बहुत अधिक खरीद रहा है जिन्होंने भारत की आपूर्ति की होगी। आज यही स्थिति है जहां प्रत्येक देश अपने नागरिकों के लिए सर्वोत्तम सौदा पाने का प्रयास करता है। हम यही कर रहे हैं। जयशंकर ने कहा मेरे पास 2000 डॉलर प्रति व्यक्ति आय वाला देश है। ये वे लोग नहीं हैं, जो ऊर्जा की ऊंची कीमतें वहन कर सकते हैं। यह सुनिश्चित करना मेरा दायित्व है कि मैं उन्हें सबसे अच्छा सौदा दिलाऊं जो मैं कर सकता हूं। उन्होंने कहा अमेरिका सहित देश भारत की स्थिति को जानते हैं और उसके साथ आगे बढ़ेंगे।

राजनीतिक दलों को वादा करने से नहीं रोका जाना चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

मुफ्त की रेवड़ी कल्चर पर सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने कहा है कि अदालत द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) द्वारा मुफ्त के मुद्दे पर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए राजनीतिक दलों को वादे करने से नहीं रोक सकती है। चीफ जस्टिस ने कहा कि कल्याण प्रदान करना सरकार का कर्तव्य है। यहां चिंता जनता के पैसे को सही ढंग से खर्च करने को लेकर है। यह मामला बहुत जटिल है। यह भी सवाल है कि क्या अदालत इन मुद्दों की जांच करने के लिए सक्षम है। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि, हमारे पास आए तमाम सुझावों में से एक ये भी है कि राजनीतिक दलों को अपने मतदाताओं से वादा करने से नहीं रोका जाना चाहिए। अब सवाल ये है कि किसे मुफ्तखोरी कहा जाए। क्या मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं, मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी को मुफ्तखोरी कहा जा सकता है।

मनरेगा जैसी योजनाए भी हैं, जो सम्मानपूर्वक जीवन का वादा करती है। मुझे नहीं लगता कि राजनीतिक वायदे ही चुनाव जीतने की एकमात्र कसौटी हैं। वादे करने के बाद भी पार्टियां हार जाती है। इस मामले में बहस की जरूरत है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में मुफ्त वादे करने वाली राजनीतिक पार्टियों को प्रतिबंधित करने के लिए अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने याचिका दायर की है। पिछली सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने मुफ्त घोषणा करने वाली पार्टियों की मान्यता रद्द करने की दलील दी थी।

इस पर अदालत ने कहा था कि यह हमारा काम नहीं है। इस पर कानून बनाना है, तब केंद्र सरकार बनाए।

कोलकाता में 17 इंसानी बच्चों के भ्रूण मिलने से मची सनसनी, क्षेत्र के 25 नर्सिंग होम जांच के दायरे में

कोलकाता ।(एजेंसी)

मंगलवार सुबह तब सनसनी फैल गई जब कोलकाता से 45 किमी दूर उलुबेरिया में एक कचरा फेंकने वाली जगह पर पॉलीथीन बैग में लिपटे हुए करीब 17 इंसानी बच्चों के भ्रूण मिले। भ्रूणों में 11 लड़कियों के और 6 लड़कों के थे, जबकि एक अविकसित था कि उसके लिंग की पहचान करना मुश्किल था। सभी भ्रूणों को पोस्टमार्टम के लिए उलुबेरिया उप-प्रभागीय अस्पताल में भेज दिया गया है। मंगलवार दोपहर जब सफाईकर्मी वार्ड 31 में मौजूद कूड़ा स्थल की सफाई कर रहे थे, तब उन्हें यह भ्रूण दिखाई दिए। जिले के एक अधिकारी का कहना है कि उलुबेरिया नगर निगम क्षेत्र में कुल 25 नर्सिंग होम हैं, जो सभी जांच के दायरे में हैं। उलुबेरिया निगम अध्यक्ष अभय दास का कहना है कि ऐसा लगता है कि इसमें एक या ज्यादा नर्सिंग होम गैरकानूनी गर्भपात गिरोह में शामिल हो सकते हैं। उनका कहना था कि मामले की जांच के लिए हमारे द्वारा एक कमेटी बनाई गई है, अगले सोमवार को सभी नर्सिंग होम के वरिष्ठ अधिकारियों को मुलाकात के लिए बुलाया है। इसके साथ ही उन्हें अपने साथ अस्पताल के रजिस्टर लाने के लिए कहा गया है जिसमें पिछले कुछ हफ्तों में की गई सर्जरी का विवरण दर्ज किया गया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कचरे से 17 भ्रूणों का मिलना एक गंभीर विषय है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. इसके साथ ही उलुबेरिया उप-मंडल अस्पताल के प्रमुख निजी तौर पर मामले को देख रहे हैं। पिछले साल गर्भपात कराने की सीमा को बढ़ाकर 24 हफ्ते कर दिया गया था, यानी 24 हफ्ते के गर्भ का गर्भपात किया जा सकता है। इससे पहले यह सीमा 20 हफ्तों की थी। लेकिन यह भी विशेष मामलों में है।

पत्नी की दूसरी महिलाओं से तुलना करना क्रूरता है: हाई कोर्ट

नई दिल्ली । (एजेंसी)

केरल हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि पति द्वारा पत्नी की अन्य स्त्रियों से तुलना करना मानसिक क्रूरता है। यह टिप्पणी उस समय आई केरल हाई कोर्ट की बेंच फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली अर्जी पर सुनवाई कर रही थी। न्यायमूर्ति अनिल के नरेंद्रन और न्यायमूर्ति सीएस सुधा की खंडपीठ ने यह टिप्पणी की है। कोर्ट द्वारा यह भी कहा गया कि पति का बार-बार ताना मारना और अन्य महिलाओं के साथ तुलना निश्चित रूप से मानसिक क्रूरता है। क्या किसी पत्नी से भी ऐसी उम्मीद की जा सकती है। याचिकाकर्ता पत्नी की याचिका पर कोर्ट ने सुनवाई की है कि पत्नी ने आरोप लगाया था कि उसका पति उसे लगातार याद दिलाता था कि वह दिखने के मामले में उसकी अपेक्षाओं को पूरा नहीं करती है। इतना ही नहीं उसने अपनी पत्नी से यह भी कहा कि अन्य महिलाओं की तुलना में वह उसे निराश करती है। उसके भाई की पत्नियां उससे ज्यादा सुंदर हैं। अदालत ने कहा कि हालांकि तलाक के लिए यह पर्याप्त कारण नहीं है, लेकिन कानून को इस तथ्य पर ध्यान देना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक हाईकोर्ट ने इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए यह टिप्पणियां की है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जनहित की मांग है कि जहां तक संभव हो वैवाहिक स्थिति को बनाए रखा जाना चाहिए। जबकि एक शादी को बचाए रखने की उम्मीद की बजाय उसे बर्बाद किया जा रहा हो।

शोपियां में आतंकियों ने सुरक्षा बल के जवानों पर फेंका ग्रेनेड, कोई हताहत नहीं

श्रीनगर । कश्मीर जोन के पुलिस अधिकारी ने बताया बुधवार को जब सुरक्षा बलों के जवान एक सर्च ऑपरेशन को अंजाम दे रहे थे, तभी आतंकियों ने उनपर ग्रेनेड से अटैक किया और अंधेरे का फायदा उठाकर बचकर भाग गए। इस हमले में जवानों को कोई क्षति नहीं पहुंची है। रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा बलों ने शोपियां में कुतपोरा इलाके में आतंकियों की धड़पकड़ के लिए घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। इसी दौरान आतंकियों ने सर्च पार्टी पर ग्रेनेड से हमला कर दिया। इसके बाद आतंकी रात के अंधेरे में वहां से भागने में सफल रहे। कश्मीर जोन की पुलिस ने ट्वीट में बताया विशेष इनपुट के आधार पर सुरक्षा बलों ने शोपियां के कुतपोरा में कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन अभियान चलाया था। सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने सर्च पार्टी पर ग्रेनेड से हमला कर दिया। हालांकि रात में अंधेरे का सहारा लेकर आतंकी वहां से भाग निकलने में सफल रहे। इस दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों ने घर के अंदर हथियार और गोले बारूद भी बरामद किए। इससे पहले सोमवार को कश्मीर में ही आतंकियों द्वारा किए गए एक ग्रेनेड हमले में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया था। कश्मीर पुलिस के मुताबिक कश्मीर में पुलिस कंट्रोल रूम पर आतंकियों ने हथगोले दागे जिसके कारण वहां मौजूद एक पुलिसकर्मी घायल हो गया था।

संपादकीय

अमृतकाल के लक्ष्य

लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने अगले पच्चीस सालों के लिये पांच संकल्पों के जरिये देशवासियों में उत्साह भरने का प्रयास तो जरूर किया, लेकिन कार्यपालिका के मुखिया होने के नाते उम्मीद थी कि वे बतायेंगे कि अगले पच्चीस साल के लिये देश का विकास का मूलमंत्र क्या होगा।

निस्संदेह, इस साल का स्वतंत्रता दिवस इस मायने में खास था कि देश ने आजादी के 75 वर्ष पूरे किये। इसे अमृत महोत्सव का नाम दिया गया था। पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान से इस महोत्सव में राष्ट्रीयता का रंग भरने का सार्थक प्रयास भी हुआ। लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने अगले पच्चीस सालों के लिये पांच संकल्पों के जरिये देशवासियों में उत्साह भरने का प्रयास तो जरूर किया, लेकिन कार्यपालिका के मुखिया होने के नाते उम्मीद थी कि वे बतायेंगे कि अगले पच्चीस साल के लिये देश का विकास का मूलमंत्र क्या होगा। निस्संदेह, उनके द्वारा बताये गये पांच संकल्प लोगों में आशावाद तो भरते हैं लेकिन देश के विकास का प्रारूप पेश नहीं करते। वहीं दूसरी ओर उन्होंने भ्रष्टाचार व भाई-भतीजावाद पर तीखे हमले किये। इस बाबत उन्होंने देश के नागरिकों को भी जागरूक होने का आह्वान किया। निस्संदेह, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के चलते प्रतिभाओं को उनका मुकाम नहीं मिलता। उनकी प्रतिभा कुंठित होती है। लेकिन यह हमारे तंत्र पर सवालिया निशान है कि क्यों पिछले 75 सालों में हम देश को भाई-भतीजावाद व भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं कर पाये। कहने के साथ ही भ्रष्टाचार के जड़ से उन्मूलन की भी गंभीर कोशिश होनी चाहिए। वहीं आलोचक यह भी कहने लगे कि प्रधानमंत्री ने चुनावी महासमर का एजेंडा तय कर दिया है और अगला आम चुनाव भ्रष्टाचार व भाई-भतीजावाद के मुद्दों पर ही लड़ा जायेगा। बहरहाल, एक बात तो तय है कि भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिये जहां राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होती है, वहीं देशवासियों को भी भ्रष्टाचार के खिलाफ डटकर खड़ा होना होगा। आखिर गंभीर अपराधों में लिप्त व अदालत द्वारा सजा दिये जाने के बाद कोई व्यक्ति कैसे चुनकर फिर जनप्रतिनिधि सभाओं में काबिज हो जाता है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार उन्मूलन में जनता का सहयोग मांगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि किसी को रहने के लिये घर नहीं मिलता और किसी के पास चोरी का माल रखने की जगह नहीं है। प्रधानमंत्री ने अगले पच्चीस सालों के लिये पांच संकल्पों का आह्वान किया है, जिसमें हमारी भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। इन पांच संकल्पों में देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रयत्नशील होना, किसी भी तरह की गुलामी से मुक्त होना, अपनी विरासत पर गर्व करना, देश में एकजुटता लाना तथा एक नागरिक के रूप में अपने कर्तव्य निभाना शामिल हैं। नागरिक कर्तव्यों के आह्वान के रूप में एक अच्छी बात उन्होंने यह भी कही कि बिजली व पानी पहुंचाना सरकारी मशीनरी का दायित्व है लेकिन उसका किफायती उपयोग करना किसान व आम आदमी की जिम्मेदारी है, ताकि सुविधा का दुरुपयोग न हो। दूसरे सामाजिक जीवन में महिलाओं की गरिमा बनाये रखने पर उन्होंने जोर दिया। निश्चित रूप से आज भारतीय नारी जीवन के हर क्षेत्र में परचम लहरा रही है लेकिन देश विकसित राष्ट्र की दहलीज में तभी कदम रख सकता है जब हम लैंगिक भेदभाव से मुक्त होकर महिलाओं को वास्तव में बराबरी का दर्जा दें। अब चाहे यह घर में बेटा-बेटी की बात हो या सार्वजनिक जीवन में महिलाओं से हमारा व्यवहार हो, वह समतामूलक व गरिमामय होना जरूरी है। लेकिन भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिये यह अनिवार्य शर्त है कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य विपक्ष के रचनात्मक सहयोग के बिना संभव न होगा। वहीं विविधता के इस देश में सभी संस्कृतियों व धर्मों का भी पूरा सम्मान जरूरी है। हमारे धर्मनिरपेक्ष स्वरूप को भी अक्षुण्ण रखना जरूरी होगा।

कार्टून

धर्म — आचरण

आचार्य रजनीश ओशो

श्रेष्ठ से श्रेष्ठ ऊंचाइयां हैं उपनिषदों की, लेकिन हिंदू का आचरण? क्षुद्र है। इसलिए कभी-कभी बड़ा चकित होकर देखना पड़ता है। त्याग की इतनी महिमा है, लेकिन जिस तरह हिंदू पैसे को पकड़ता है, इस पृथ्वी पर कोई नहीं पकड़ता। जिनको हम भौतिकवादी कहते हैं, वे भी पैसे को इस पागलपन से नहीं पकड़ते। जितना लोभी हिंदू है, उतनी पृथ्वी पर कोई भी जाति खोजनी कठिन है। और अलोभ की इतनी चर्चा है! इतनी ऊंचाई विचार की और आचरण की इतनी क्षुद्रता! क्या होगा कारण? पश्चिम से लोग खोज करने आते हैं सत्य को पूरब, और जब यहां के लोगों को देखते हैं तब बहुत हैरान होते हैं। इनसे ज्यादा क्षुद्र वृत्ति के लोग उन्हें कहीं भी मिलने मुश्किल हैं। आत्मा-परमात्मा की बातें हैं, लेकिन इनका व्यवहार अत्यंत जमीन से बंधा हुआ है, और रु ग्ण है। क्या होगा कारण? यह है कारणः जब एक दफे यह बात साफ हो गई कि सबके लिए जिम्मेवार परमात्मा है, भाग्य है, विधि है, कुछ किया नहीं जा सकता, तो तुम जैसे हो, वैसे हो। अतल खाई खुल गई गिरने की। जब भी कोई व्यक्ति अनुभव करता है, मैं जिम्मेवार हूं, तब उसकी चेतना सजग होगी। तब वह जागता है। तब वह श्रम करता है, चेष्टा करता है, सम्हालता है। क्योंकि तुम अपने को सम्हालोगे तो ही इस खाई में गिरने से बच सकते हो। तुमने अपने को नहीं संभाला तो कोई तुम्हें संभालने वाला नहीं है। सभी तुम्हें धक्के दे सकते हैं, लेकिन सम्हालने वाला तुम्हें कोई भी नहीं है। क्योंकि तुम्हारी ऊंचाई में किसकी उत्सुकता है? तुम्हारी शुद्धता में किसका रस है? और तुम जीवन के परम कगार बन जाओ, इसके लिए कौन मेहनत करेगा? सब अपने लिए मेहनत कर रहे हैं। जिस दिन व्यक्ति का दायित्व शून्य हो जाता है, बस उसी दिन उसके आधार समाप्त हो जाते हैं। उसके पैर के नीचे की जमीन जैसे किसी ने खींच ली। अगर महावीर और बुद्ध ने पृथ्वी पर महानतम प्रयोग किया है और हजारों लोगों की चेतनाओं को निर्वाण तक पहुंचाया है, उस सबका आधार एक था कि उन्होंने कहा, कि कोई परमात्मा नहीं है, कोई भाग्य नहीं है तुम हो। और इसलिये अगर तुम नरक में जी रहे हो तो तुम ही कारण हो। निराश होने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि तुम ही नरक में भीतर गए हो, बाहर आ सकते हो। किसी ने तुम्हें भेजा नहीं है। यह तुम्हारा अपना निर्णय है। स्वेच्छा से तुम गए हो। जब तुम स्वेच्छा से गए हो, तो स्वेच्छा से बाहर आ सकोगे। इस पर किसी का दबाव नहीं है।

भगवान कृष्ण जन्माष्टमी

- भावुक और दार्शनिक लेकिन सख्ती से भरी प्रधानमंत्री की बड़ी बातें

लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

'**जीवन** में हार-जीत लगी रहती है लेकिन सफलता सिर्फ उसी व्यक्ति को मिलती है जो अपनी गलतियों और हार से सीख लेकर आगे बढ़े। हारकर निराश होना किसी भी समस्या का हल नहीं है।' वर्तमान में श्रीकृष्ण की शिक्षा की अत्यंत आवश्यकता हैं ।कारण जो समस्यायें वर्तमान में हैं वे ही समस्याएं तत्समय में भी थी ,पर श्रीकृष्ण ने विपरीत परिस्थितियों में अपने आपको कैसे सम्हाले ,के लिए उनकी शिक्षाएं आज भी कारगर हैं । जन्माष्टमी का त्यौहार श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मथुरा नगरी में असुरराज कंस के कारागृह में देवकी की आठवीं संतान के रूप में भगवान श्रीकृष्ण भाद्रपद कृष्णपक्ष की अष्टमी को पैदा हुए। उनके जन्म के समय अर्धरात्रि (आधी रात) थी, चन्द्रमा उदय हो रहा था और उस समय रोहिणी नक्षत्र भी था। इसलिए इस दिन को प्रतिवर्ष कृष्ण जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है।

जन्माष्टमी कथा

द्वापर युग के अंत में मथुरा में उग्रसेन राजा राज्य करते थे। उग्रसेन के पुत्र का नाम कंस था। कंस ने उग्रसेन को बलपूर्वक सिंहासन से उतारकर जेल में डाल दिया और स्वयं राजा बन गया। कंस की बहन देवकी का विवाह यादव कुल में वासुदेव के साथ निश्चित हो गया। जब कंस देवकी को विदा करने के लिए रथ के साथ जा रहा था तो आकाशवाणी हुई, हे कंस! जिस देवकी को तू बड़े प्रेम से विदा कर रहा है उसका आठवाँ पुत्र तेरा संहार करेगा। आकाशवाणी की बात सुनकर कंस क्रोध से भरकर देवकी को मारने के लिए तैयार हो गया। उसने सोचा - न देवकी होगी न उसका कोई पुत्र होगा।

वासुदेव जी ने कंस को समझाया कि तुम्हें देवकी से तो कोई भय नहीं है। देवकी की आठवीं संतान से भय है। इसलिए मैँ इसकी आठवीं संतान को तुम्हे सौंप दूँगा। कंस ने वासुदेव जी की बात स्वीकार कर ली और वासुदेव-देवकी को कारागार में बंद कर दिया। तत्काल नारद जी वहाँ आ पहुँचे और कंस से बोले कि यह कैसे पता चलेगा कि आठवाँ गर्भ कौन-सा होगा। गिनती प्रथम से शुरू होगी या अंतिम गर्भ से। कंस ने नारद जी के परामर्श पर देवकी के गर्भ से उत्पन्न होने वाले समस्त बालकों को एक-एक करके निर्दयतापूर्वक मार डाला।

भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में श्रीकृष्ण जी का जन्म हुआ। उनके जन्म लेते ही जेल की कोठरी में प्रकाश फैल गया। वासुदेव-देवकी के सामने शंख, चक्र, गदा एवं पदमधारी चतुर्भुज भगवान ने अपना रूप प्रकट कर कहा, अब में बालक का रूप धारण करता हूँ। तुम मुझे तत्काल गोकुल में नन्द के यहाँ पहुँचा दो और उनकी अभी-अभी जन्मी कन्या को लेकर कंस को सौंप दो। वासुदेव जी ने वैसा ही किया और उस कन्या को लेकर कंस को सौंप दिया। कंस ने जब उस कन्या को मारना चाहा तो वह कंस के हाथ से छूटकर आकाश में उड़ गई और देवी का रूप धारण कर बोली कि मुझे मारने से क्या लाभ है? तेरा शत्रु तो गोकुल पहुँच चुका है। यह दृश्य देखकर कंस हतप्रभ और व्याकुल हो गया। कंस ने श्रीकृष्ण को मारने के लिए अनेक दैत्य भेजे। श्रीकृष्ण जी ने अपनी आलौकिक माया से सारे दैत्यों को मार डाला। बड़े होने पर कंस को मारकर उग्रसेन को राजगद्दी पर बैठाया।

जन्माष्टमी का महत्व

- इस दिन देश के समस्त मंदिरों का श्रृंगार किया जाता है।
- श्री कृष्णावतार के उपलक्ष्य में झाकियाँ सजाई जाती हैं। 3। भगवान श्रीकृष्ण का श्रृंगार करके झूला सजा के उन्हें झूला झुलाया जाता है।

स्त्री-पुरुष रात के बारह बजे तक व्रत रखते हैं। रात को बारह बजे शंख तथा घंटों की आवाज से श्रीकृष्ण के जन्म की खबर चारों दिशाओं में गूँज उठती है। भगवान कृष्ण जी की आरती उतारी जाती है और प्रसाद वितरण किया जाता है।

कृष्ण जन्माष्टमी का मुहूर्त

- अष्टमी पहले ही दिन आधी रात को विद्यमान हो तो जन्माष्टमी व्रत पहले दिन किया जाता है।
- अष्टमी केवल दूसरे ही दिन आधी रात को व्याप्त हो तो जन्माष्टमी व्रत दूसरे दिन किया जाता है।
- अष्टमी दोनों दिन आधी रात को व्याप्त हो और अर्धरात्रि (आधी रात) में रोहिणी नक्षत्र का योग एक ही दिन हो तो जन्माष्टमी व्रत रोहिणी नक्षत्र से युक्त दिन में किया जाता है।
- अष्टमी दोनों दिन आधी रात को विद्यमान हो और दोनों ही दिन अर्धरात्रि (आधी रात) में रोहिणी नक्षत्र व्याप्त रहे तो जन्माष्टमी व्रत दूसरे दिन किया जाता है।
- अष्टमी दोनों दिन आधी रात को व्याप्त हो और अर्धरात्रि (आधी रात) में दोनों दिन रोहिणी नक्षत्र का योग न हो तो जन्माष्टमी व्रत दूसरे दिन किया जाता है।
- अगर दोनों दिन अष्टमी आधी रात को व्याप्त न करे तो प्रत्येक स्थिति में जन्माष्टमी व्रत दूसरे ही दिन होगा।

जन्माष्टमी व्रत व पूजन विधि

- इस व्रत में अष्टमी के उपवास से पूजन और नवमी के पारणा से व्रत की पूर्ति होती है।
- इस व्रत को करने वाले को चाहिए कि व्रत से एक दिन पूर्व (सप्तमी को) हल्का तथा सात्विक भोजन करें। रात्रि को स्त्री संग से वंचित रहें और सभी ओर से मन और इंद्रियों को काबू में रखें।
- उपवास वाले दिन प्रातः स्नानादि से निवृत होकर सभी देवताओं को नमस्कार करके पूर्व या उत्तर को मुख करके बैठें।
- हाथ में जल, फल और पुष्प लेकर संकल्प करके मध्यान्ह के समय काले तिलों के जल से स्नान (छिड़ककर) कर देवकी जी के लिए प्रसूति गृह बनाएँ। अब इस सूतिका गृह में सुन्दर बिछौना बिछाकर उस पर शुभ कलश स्थापित करें।
- साथ ही भगवान श्रीकृष्ण जी को स्तनपान कराती माता देवकी जी की मूर्ति या सुन्दर चित्र की स्थापना करें। पूजन में देवकी, वासुदेव, बलदेव, नन्द, यशोदा और लक्ष्मी जी इन सबका नाम क्रमशः लेते हुए विधिवत पूजन करें।
- यह व्रत रात्रि बारह बजे के बाद ही खोला जाता है। इस व्रत में अनाज का उपयोग नहीं किया जाता। फलहार के रूप में कुट्टू के आटे की पकौड़ी, मावे की बर्फ़ी और सिंघाड़े के आटे का हलवा बनाया जाता है।

जीवन में आगे बढ़ने के लिए और अपनी अलग पहचान बनाने के लिए यदि आपको क्रांतिकारी बनना पड़े तो इससे पीछे न हटें। कहने का सीधा मतलब ये है कि जरूरत के हिसाब से खुद में बदलाव करें और समाज के बारे में न सोचते हुए अपने काम पूरे करें।

जीवन में दोस्तों की भूमिका बहुत अहम होती है। हम हमेशा यही सुनते हैं कि दोस्तों की पहचान हमेशा मुश्किल वक्त में ही होती है। जिस तरह भगवान कृष्ण ने पांडवों के मुश्किल वक्त में उनका साथ दिया था, वैसे ही आपको भी अपने दोस्तों का साथ देना चाहिए। इसके साथ ही आपको ऐसे ही दोस्त बनाने चाहिए जो आपके मुश्किल वक्त में आपके साथ खड़े रहें।

जीवन में हार-जीत लगी रहती है लेकिन सफलता सिर्फ उसी व्यक्ति को मिलती है जो अपनी गलतियों और हार से सीख लेकर आगे बढ़े। हारकर निराश होना किसी भी समस्या का हल नहीं है।

किसी भी परिस्थितियों से लड़ने के लिए उसके लिए एक बेहतर रणनीति बनाना बहुत जरूरी है। बिना रणनीति के आप हर मोर्चे पर कामयाब नहीं हो पाएंगे। यदि पांडव भी श्री कृष्ण द्वारा बनाई गई रणनीति का पालन नहीं करते तो शायद कौरवों के खिलाफ हुए युद्ध में उन्हें जीत नहीं मिलती।

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए आपकी सोच दूरदर्शी होनी चाहिए। इसके साथ ही जीवन में आने वाली विकट परिस्थितियों का आकलन करना भी आपको आना चाहिए।

व्यक्ति के जीवन में आए दिन मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। श्री कृष्ण पांडवों को बताते हैं कि हमें खराब हालातों में हार मानने के बजाए उनका सामना करना चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से ही हमारे मन में बैठा डर खत्म होगा और जब एक बार डर निकल जाता है तो व्यक्ति किसी भी हालात को सफलतापूर्वक पार कर सकता है।

जीवन में सफल बनने के लिए व्यर्थ की चिंता के साथ-साथ भविष्य के बारे में भी नहीं सोचना चाहिए। हमें हमेशा अपने वर्तमान को बेहतर बनाना चाहिए। यदि आप अपने वर्तमान को संवार लेते हैं तो आपका भविष्य अपने आप ही बेहतर बन जाएगा। इसके अलावा जीवन में कभी भी अनुशासनहीन नहीं होना चाहिए।

आज के इस समय में लोग अपनी आय के हिसाब से खर्च करते हैं। लेकिन ऐसे में जरूरत पड़ने पर उनके पास पैसे नहीं होते। किसी भी तरह की मुश्किल आर्थिक परिस्थितियों से बचने के लिए हमेशा सोच-समझकर खर्च करना चाहिए। कभी भी ऐसी चीज खरीदने में पैसा खर्च न करें, जिसकी आपको जरूरत न हो।

विचार मंथन

यूक्रेन संकट और अवसर

ेखक-सिद्धार्थ शंकर

इस साल 24 फरवरी को जब रूस ने यूक्रेन र हमला किया, तब सभी को यूं लगा कि दो-ार दिन में मामला खत्म हो जाएगा। यूक्रेन की रकार को रूस गिरा देगा और वहां कोई नई ठपुतली सरकार बन जाएगी, जिसके बाद ांति बहाल हो जाएगी। अब चार महीने बीत ुके हैं, लेकिन न तो शांति बहाल हुई है और न उसके आसार दिख रहे हैं। साफ है, रूस ने ैसा समझा था, यूक्रेन उतना कमजोर शिकार ाबित नहीं हुआ। बेशक डेढ़ करोड़ लोग रबदर हो गए, हजारों इमारतें तबाह हुईं, यूक्रेन ी अर्थव्यवस्था घटकर आधी रह जाने का डर दा हो गया है, मगर इस लड़ाई की बड़ी कीमत स को भी चुकानी है। मोटा अनुमान है कि स लड़ाई पर रूस हर रोज 90 करोड़ डॉलर र्च कर रहा है, लेकिन यह खर्च उस कीमत आगे कुछ भी नहीं है, जो रूस के भविष्य ो चुकानी है। इस लड़ाई का असर सिर्फ रूस ौर यूक्रेन तक रहता, तो शायद उतनी बड़ी ात न होती। यह जंग तो पूरी दुनिया की र्थव्यवस्था को खतरे में डाल चुकी है। हरेक श हिसाब लगा रहा है कि उसकी अर्थव्यवस्था ो कितना झटका लगने वाला है, और यह भी क क्या इस आपदा में कोई अवसर तो नहीं छपा है? इस किस्से को समझने के लिए देखना रूरी है कि दुनिया के बाजार में या आर्थिक ानचित्र पर रूस की या यूक्रेन की हैसियत क्या है? फिलहाल दोनों देश तेल, गैस, अनाज और दलहन-तिलहन के बड़े उत्पादक व निर्यातक हैं, जिस कारण इस लड़ाई से दुनिया भर में महंगाई भड़क गई है। अमेरिकी अर्थशास्त्री केनेथ रोगौफ ने सवाल भी उठाया है कि इस साल के अंत तक अमेरिका, चीन और यूरोपीय संघ की अर्थव्यवस्थाएं एक साथ सुस्ती के संकेत दे रही हैं, तो क्या दुनिया की अर्थव्यवस्था आने वाले दिनों में एक बवंडर में फंसने जा रही है? ऐसी स्थिति में अब यह बात भी स्पष्ट है कि संयुक्त राष्ट्र या पश्चिमी देशों की तरफ से लगने वाले आर्थिक प्रतिबंध लड़ाई रोकने का काम नहीं कर सकते। यहीं आपदा में अवसर है। जब रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगे, तो भारत जैसे देशों के लिए मौका पैदा हुआ कि वह रूस से सस्ता तेल खरीद लें। हालांकि, अमेरिका लगातार दबाव बनाता रहा है कि भारत रूस से तेल एक हद तक ही खरीदे। मगर रूस के साथ भारत के बहुत पुराने सामरिक संबंध हैं। 1971 की लड़ाई में रूस का दबाव काफी काम भी आया था। और, इस वक्त भारत के पास मौका था कि वह रूस की मदद करे और नुकसान के बजाय फायदे में रहे। जैसे ही आर्थिक प्रतिबंध का एलान हुआ, अमेरिका और यूरोप की बड़ी-बड़ी कंपनियों ने रूस के अपने स्टोर बंद करके भागने की घोषणा कर दी। शानदार बाजारों में सैकड़ों आलीशान स्टोर अचानक खाली हो गए। इनके मालिकों या उन बड़ी कंपनियों के स्थानीय साझेदारों के सामने भविष्य का सवाल खड़ा हो गया। ऐसे में, भारत के कुछ चतुर रियल एस्टेट कंसल्टेंट काम पर लग गए और उन्होंने यहां की कंपनियों को समझाया कि रूस के बाजार में पैर जमाने का यह सुनहरा मौका है। अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतीन ने भी ब्रिक्स सम्मेलन में एलान कर दिया कि भारत की रिटेल चेन रूस में स्टोर खोलने की गंभीरता से तैयारी कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस रिटेल चेन की बात हो रही है। उन्होंने रूस से भारत और चीन को तेल आपूर्ति में बढ़त का भी जिक्र किया। भारत रूस से कभी भी बहुत ज्यादा तेल नहीं खरीदता था। मगर प्रतिबंध लगने के बाद से इसमें जबर्दस्त तेजी आई और इस वक्त रूस भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बन चुका है। वजह साफ है। पुराने रिश्ते और तेल के दाम पर भारी छूट। छूट का फायदा तो जाहिर है, लेकिन साथ में भारतीय तेल कंपनियों के सामने एक बड़ा संकट खड़ा हो गया। रूस को तेल का भुगतान कैसे करें, क्योंकि डॉलर में भुगतान पर रोक लगी हुई थी और रूस को अंतरराष्ट्रीय भुगतान नेटवर्क स्विफ्ट से भी बाहर कर दिया गया था। अब एक ही रास्ता बचता है कि भुगतान रुपये में या रूबल में कर दिया जाए।

अनकही कहानी

राष्ट्र की जाग्रत चेतना का अपमान समाज को अस्वीकार्य

लेखक- विनोद तकियावाला

विश्व के प्रजातंत्र की जननी भारत,भारत की राजधानी दिल्ली दिल्ली हमारी ऐतिहासिक विरासत को अपनी दिलोजान से संजोय व संवार कर रखने वाली दिल्ली।जी हाँ मै दिल बालों की शहर दिल्ली की बात कर रहा हूँ इन दिनों सभी के जुबान पर एक चर्चा है कि अपना देश भारत अपनी आजादी का 75 वर्ष पुरे करने जा रहा है।इस अवसर पर अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है।केन्द्र सरकार द्वारा पुरे बर्ष चले वाले सरकारी कार्यक्रम आयोजित किये गये।केन्द्र सरकार ने इस वर्ष को अमृत महोत्सव को अमृत काल से नबाजा है। वही केन्द्र की सरकार ने हर घर तिरंगा ,तो दिल्ली की सरकार द्वारा हर हाथ तिरंगा का नारा दिया जा रहा है। दिल्ली के मुख्य मंत्री अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली के विभिन्न जगहों पर 166 फीट का 500 तिरंगा फहरा कर नया इतिहास रचते हुए एक नारा दिया है कि इण्डिया को न01बनाना है।यह तभी सम्भव है।जब सभी भारत वासी अपने राष्ट्र धर्म का निर्वाह करेंगें।राष्ट्रप्रेम के रंग में अपने आप को सराबोर कर उन स्वतंत्रता के वीर वॉकूरों को याद किया जाय।स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी के उन गुमनामी शहीदों को याद कर भाव पूर्ण श्रद्धांजलि दी जाय।इसी क्रम में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की उन गुमनामी की कहानी का जीता जागरण दिल्ली की कुछ ऐतिहसिक धरोहर आज भीअपनी बेजुबानी से एक अनकही कहानी कह रहा है।जररूत है उस जगह जा कर कुछ पल विताने की है।उसके बारे जानने की।ऐसे आज मै आप के दिल्ली के एक ऐतिहासिक जगह के बारे में बताने जा रहे है।हो सकता है डिआप में से कुछ लोग ये जानते होगे।दिल्ली का पुराना सचिवालय ,जहाँ दिल्ली का विधान सभा भी है।दिल्ली के विधान सभा की ऐतिहासिक यात्रा की कुछ कही,कुछ सुनी,कुछ अनकही यह कहानी है। इस संदर्भ मे मुझे विधान सभा के परिसर में आयोजित एक हास्य कवि के दौरान दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल के द्वारा दिये गये उद्बोधन के दौरान पता चला कि दिल्ली के पुराने सचिवालय व विधानसभा का अपना ऐतिहासिक इतिहास है। अध्यक्ष के अनुसार दिल्ली विधान सभा का गठन पहली बार 7 मार्च 1952 को गवर्नमेंट ऑफ पार्ट सी स्टेट्स एक्ट,1951 के तहत किया गया था । जिसका उद्घाटन तत्कालीन गृहमंत्री के एन काटजू ने किया। दिल्ली के इस नवगठित विधानसभा में कुल 48 सदस्य थे, तथा दिल्ली के मुख्य आयुक्त की सलाहकार भूमिका में एक मंत्रिपरिषद का गठन किया गया हालाकि इस मंत्रिपरिषद को कानून बनाने की शक्ति प्रदान की गई थी।पहली मंत्रिपरिषद का नेतृत्व चौधरी ब्रह्म प्रकाश ने किया,जो वाद में दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री बने।हॉलाकि सन1953 में स्थापित राज्य पुनर्गठन आयोग ने राज्यपुनर्गठनअधिनियम1956 के माध्यम से संवैधानिक संशोधन का नेतृत्व किया,जो1नवंबर 1956 को लागू हुआ।इसका मतलब था कि दिल्ली अब एक पार्ट-सी राज्य नहीं था और इसे एक संघ बना दिया गया था।भारत के राष्ट्रपति के प्रत्यक्ष प्रशासन के अधीन क्षेत्र होने के साथ ही दिल्ली विधानसभा और मंत्रिपरिषद को एक साथ समाप्त कर दिया गया।इसके बाद दिल्ली नगर निगम अधिनियम सन1957 अधिनियमित किया गया।परिणान स्वरूप दिल्ली नगर निगम का गठन हुआ।सन 1966 के सितंबर माह में÷दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन एक्ट1966÷ के साथ विधानसभा की जगह दिल्ली मेट्रोपॉलिटन काउंसिल ने 56 निर्वाचित और पांच मनोनीत सदस्यों के साथ दिल्ली के उपराज्यपाल को इसके प्रमुख के रूप में बदल दिया।हालाँकि परिषद के पास कोई विधायी शक्ति नहीं थी,केवल दिल्ली के शासन में एक सलाहकार की भूमिका थी।यह व्यवस्था सन 1990 तक कार्य करती रही।इस परिषद को अंतत संविधान के 69वें(उनसठवेंसंशोधन)अधिनियम1991 के माध्यम से दिल्ली विधान सभा द्वारा प्रतिस्थापित किया गया,इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली अधिनियम, 1991 की सरकार द्वारा भारत के संविधान में 79 वाँ (उनहत्तरवां) संशोधन किया गया,जिसने घोषणा की केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली को औपचारिक रूप से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के रूप में जाना जाता है और यह विधान सभा और मंत्रिपरिषद और संबंधित मामलों से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों का पूरक है।

एयरटेल ने 5जी स्पेक्ट्रम के लिए डॉट को दिए 8,312.4 करोड़

नई दिल्ली । दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने हाल ही में 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी में हासिल किए गए स्पेक्ट्रम के लिए दूरसंचार विभाग (डॉट) को 8,312.4 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। एयरटेल ने यह राशि चार साल की किस्त के अग्रिम भुगतान के रूप में दी। एयरटेल ने कहा कि उसका मानना है कि इस अग्रिम भुगतान के साथ ही चार साल के लिए एजीआर (समायोजित सकल राजस्व) से संबंधित भुगतान करने से कंपनी भविष्य में 5जी लागू करने पर ध्यान केंद्रित कर सकेगी। दिग्गज दूरसंचार कारोबारी सुनील भारती मित्तल की भारती एयरटेल ने 5जी स्पेक्ट्रम के लिए 43,039.63 करोड़ रुपए की सफल बोली लगाई। भारती एयरटेल के प्रबंध निदेशक और सीईओ गोपाल विट्टल ने कहा` कि चार साल का यह अग्रिम भुगतान हमें अपने परिचालन मुक्त नकदी प्रवाह को देखते हुए 5जी लागू करने के प्रयास को ठोस तरीके से आगे बढ़ाने की अनुमति देता है। एयरटेल राइट निर्गम से अभी 15,740.5 करोड़ रुपए तक जुटा सकती है। उन्होंने कहा कि आदर्श स्पेक्ट्रम बैंक, बेहतरीन तकनीक और पर्याप्त नकदी प्रवाह के साथ हम देश में विश्वस्तरीय 5जी अनुभव लाने के लिए उत्साहित हैं।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने सावधि जमाओं पर ब्याज दर बढ़ाई

नई दिल्ली । उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कहा है कि उसने सावधि जमाओं पर ब्याज दर 1.5 प्रतिशत तक बढ़ा दी है। बैंक ने कहा कि भारत की आजादी के 75वें वर्ष के अवसर पर उसने विभिन्न अवधियों की सावधि जमाओं पर ब्याज दर में 0.3 प्रतिशत से 1.50 प्रतिशत की वृद्धि की है। उज्जीवन एसएफबी ने 75 सप्ताह (525 दिन) और 75 महीने की जमाओं के लिए सबसे अधिक 7.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की उच्चतम ब्याज दर तय की है। इन दोनों अवधि की जमा योजनाओं की शुरुआत आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर की गई है। बैंक ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए अतिरिक्त दर अब 0.50 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.75 प्रतिशत कर दी गई है। नयी दरें दो करोड़ रुपए से कम जमा पर लागू हैं। बैंक ने कहा कि वह मासिक, त्रैमासिक और परिपक्वता पर ब्याज भुगतान विकल्पों की पेशकश करेगा।

'मंथन' गठन से उद्योग और शोध संस्थानों के बीच बनेगा साझेदारी का मंच : केंद्र

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने प्रौद्योगिकी आधारित सामाजिक प्रभाव वाले नवाचारों के लिए एक अभिनव पहल करते हुए उद्योग एवं शोध संस्थानों के बीच भागीदारी के एक मंच की मंगलवार को शुरुआत की। सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) अजय कुमार सूद ने एक बयान में 'मंथन' नाम के इस भागीदारी मंच की शुरुआत की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह मंच उद्योग जगत एवं शोध संस्थानों के बीच भागीदारी को बढ़ाने में मददगार साबित होगा। सूद ने कहा, 'मंथन की शुरुआत से एक ऐसा मंच वजूद में आया है जो शोध एवं विकास में उद्योग जगत की भागीदारी बढ़ाने की कोशिशों को मजबूती देगा। यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।'' आधिकारिक बयान के मुताबिक, मंथन मंच हितधारकों के बीच संवाद बढ़ाने, शोध एवं नवाचार को गति देने और सामाजिक असर डालने की क्षमता रखने वाले विविध उदीयमान प्रौद्योगिकी एवं वैज्ञानिक हस्तक्षेपों में मौजूद चुनौतियों से निपटने में मदद करेगा। पीएसए कार्यालय में वैज्ञानिक सचिव परविंदर मैनी ने कहा कि यह मंच नवोन्मेषी विचारों, अन्वेषक मस्तिष्क और सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सार्वजनिक, निजी एवं अकादमिक जगत के बीच तालमेल बिठाने का काम करेगा। इस मंच की शुरुआत देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर की गई है। बयान के मुताबिक, इससे भारत में प्रौद्योगिकी क्रांति लाने की दिशा में जारी प्रयासों को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

सेंसेक्स 60,000 के पार, निफ्टी 17,800 पर

मुंबई ।(एजेंसी)

वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से बुधवार के कारोबारी दिन शेयर बाजार ने अपने गिरावट के दिनों को पीछे छोड़ अच्छी रिकवरी हासिल की है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स कारोबार के दौरान आज 60,000 के महत्वपूर्ण स्तर को पार कर गया। सेंसेक्स आज 59,938.05 पर खुला था। कारोबार के दौरान यह अधिकतम 60,069.89 अंक तक और न्यूनतम 59,857.80 अंक तक गया। सुबह 10 बजे सेंसेक्स 221 अंक की बढ़त के साथ 60,063 पर कारोबार करता दिखाई दिया। इससे पहले इस साल 5 जनवरी को सेंसेक्स 60,000 के पार गया था। यह 5 जनवरी को 60223 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सूचकांक निफ्टी की बात करें, तो यह शुरुआती कारोबार में 19 अंक की बढ़त के साथ 17,844 पर कारोबार करता दिखा। निफ्टी बुधवार को 17,868.15 पर खुला था। शुरुआती कारोबार में निफ्टी के 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान पर और 15 शेयर लाल निशान पर कारोबार करते दिखाई दिए। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान पर और छह शेयर लाल निशान पर कारोबार करते दिखे। सबसे अधिक तेजी

एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और एचयूएल में देखने को मिली। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील और एचडीएफसी में सबसे अधिक गिरावट दिखाई दी।

अमेरिकी और यूरोपीय बाजार में तेजी रही

मुंबई । अमेरिका में वॉलमार्ट सहित अन्य दिग्गज कंपनियों के बेहतर तिमाही रिजल्ट के बूते शेयर बाजार में मिलाजुला रुख दिख रहा है। कुछ एक्सचेंज पर गिरावट दिख रही तो कहीं तेजी बनी हुई है। पिछले सत्र में डाओ जोंस 0.71 फीसदी चढ़कर बंद हुआ तो नेस्डेक पर 0.19 फीसदी की गिरावट दिखी। इसके अलावा एसएंडपी 500 ने 0.19 फीसदी की बढ़त हासिल की। वहीं अमेरिका की तर्ज पर पिछले सत्र में यूरोप के ज्यादातर शेयर बाजारों में तेजी का माहौल रहा। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज 0.68 फीसदी के उछाल पर बंद हुआ तो फ्रांस का शेयर बाजार 0.34 फीसदी की बढ़त बनाने में कामयाब रहा। इसके अलावा लंदन स्टॉक एके सचेंज पर भी पिछले सत्र में 0.36 फीसदी की तेजी दिखी।

डॉलर के मुकाबले रुपया 44 पैसे चढ़ा

मुंबई । (एजेंसी)

विदेशी कोषों की लिवाली में तेजी के चलते रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 44 पैसे बढ़कर 79.30 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि मुद्रास्फीति के दबाव में नरमी के बीच घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक शुरुआत से भी निवेशकों की धारणा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 79.32 पर तेजी के साथ खुला, और फिर 79.30 पर पहुंच गया। इस तरह रुपए ने पिछले बंद के मुकाबले 44 पैसे की वृद्धि दर्ज की।रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट के साथ 79.74 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा बाजार में सोमवार को स्वतंत्रता दिवस और मंगलवार को पारसी नव वर्ष के अवसर पर कारोबार नहीं हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत फिसलकर 106.44 पर आ गया। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.34 प्रतिशत बढ़कर 92.65 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

मारुति सुजुकी ने पेश की नई स्विफ्ट एस-सीएनजी

-मिलेगा 30 किमी से ज्यादा का माइलेज

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी कंपनी ने नई स्विफ्ट एस-सीएनजी पेश की है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 7.77 लाख रुपये है। नई स्विफ्ट एस-सीएनजी दो वैरिएंट- वीएक्सआई और जेडएक्सआई में उपलब्ध है।नई मारुति सुजुकी स्विफ्ट सीएनजी 1.2-लीटर के-सीरीज डुअल जेट इंजन और डुअल वीवीटी इंजन के साथ उपलब्ध होगी। इंजन 6,000 आरपीएम पर 77.49 पीएस की अधिकतम पावर और 4,300 आरपीएम पर 98.5 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करता है।स्विफ्ट एस-सीएनजी 30.90 किमी/किलोग्राम की ईंधन दक्षता प्रदान करती है, जो इसे भारत की सबसे शक्तिशाली सीएनजी हैचबैक बनाती है।यह भारतीय बाजार में सबसे अधिक ईंधन कुशल सीएनजी हैचबैक भी है.नेक्सा मॉडल के लिए सीएनजी वेरिएंट पेश करने का मारुति सुजुकी का निर्णय उसके प्रीमियम मॉडल की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए अच्छी खबर है, जो पिछले कुछ वर्षों में लाइनअप से डीजल-संचालित वेरिएंट के बंद होने के कारण घट गई है। मारुति सुजुकी के सीएनजी-संचालित मॉडल की वर्तमान लाइनअप में ऑल्टो, एस-प्रेसो, वैगन आर, सेलेरियो, डिजायर, ईको और अर्टिगा शामिल हैं।पिछले वित्त वर्ष में, मारुति सुजुकी ने सीएनजी से चलने वाली कारों की 1,57,954 यूनिट्स सेल कीं।जबकि साल-दर-साल 48 फीसदी की वृद्धि देखी गई।वर्तमान में, मारुति सुजुकी अपनी कुल बिक्री का 15 प्रतिशत सीएनजी-संचालित वेरिएंट से हासिल कर रही है, जो आने वाले समय में और बढ़ेगी।उन मॉडलों के लिए जो सीएनजी वेरिएंट के साथ भी उपलब्ध हैं।

नई इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल बना रही रॉयल एनफील्ड

-2025 के आसपास बाजार में पेश किए जाने की उम्मीद

नई दिल्ली । (एजेंसी)

महंगी बाइक बनाने वाली रॉयल एनफील्ड कंपनी अब नई हंटर 350 को पेश करने के बाद अगली पीढ़ी की रॉयल एनफील्ड बुलेट 350 को लॉन्च करने पर काम कर रही है। रॉयल एनफील्ड वर्तमान में बाजार के लिए नई इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल विकसित कर रही है।2025 के आसपास आधिकारिक तौर पर पेश किए जाने की उम्मीद है। हालांकि ये बाइक्स अभी भी विकास के शुरुआती चरण में हैं, दोनों ही खरीदारों के लिए एक लागत प्रभावी सेटअप की पेशकश करेंगे। इसके अलावा, रॉयल एनफील्ड को भी सरकारी योजनाओं का उपयोग करने की उम्मीद है जो इलेक्ट्रिक प्रसाद के विकास और निर्माण के लिए इनपुट लागत को काफी कम कर देगी।इससे ब्रांड को इन बाइक्स की बाजार में आक्रामक कीमत तय करने में मदद मिलेगी।रॉयल एनफील्ड वर्तमान में भारत में अपने पोर्टफोलियो को बढ़ाने पर काम कर रहा है।विभिन्न बाजारों के लिए 350 सीसी से 650 सीसी सेगमेंट में कई उत्पाद विकसित कर रहा है। ब्रांड अपनी आगामी इलेक्ट्रिक बाइक्स को रेखांकित करने के लिए इस प्लेटफॉर्म के एक संशोधित संस्करण का भी उपयोग कर सकता है।अब तक हम जो जानते हैं, उसके अनुसार ब्रांड द्वारा इन रॉयल एनफील्ड इलेक्ट्रिक बाइक्स की कोई आधिकारिक लॉन्च टाइमलाइन तय नहीं की गई है। रॉयल एनफील्ड बाज़ार की स्थितियों के आधार पर इन इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स के लॉन्च को कुछ साल आगे बढ़ा सकती है।हालांकि इन नई इलेक्ट्रिक बाइक्स को भारत समेत कई ग्लोबल मार्केट में लॉन्च किया जाएगा। यह भी कहा जाता है कि ब्रांड 2026-27 तक लॉन्च होने वाली नई 450 सीसी बाइक पर काम कर रहा है, जबकि यह दूसरी पीढ़ी का जे प्लेटफॉर्म भी लॉन्च कर सकता है।आंतरिक रूप से कोडनेम जे2, इस नए प्लेटफॉर्म का कई आगामी रॉयल एनफील्ड बाइक्स में उपयोग किए जाने की उम्मीद है।

सोना और चांदी में हल्की गिरावट

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं में नरमी की वजह से स्थानीय बाजार में सोना और चांदी में हल्की गिरावट देखने को मिली है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 10 ग्राम सोने की कीमत बुधवार को 764 रुपए घटकर 52,347 पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 53,111 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत 1,592 रुपए घटकर 58,277 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर लुढ़क गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 59,869 रुपए के स्तर पर थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड की कीमत गिरकर 1,775 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। वहीं चांदी 20.13 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। वहीं दूसरी ओर घरेलू शेयर में लगातार तेजी बनी हुई है।

निजी क्षेत्र के कर्मचारियों का 10 प्रतिशत बढ़ सकता है वेतन

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारत में कंपनियां 2023 में कर्मचारियों का वेतन 10 प्रतिशत वेतन बढ़ा सकती हैं। वैश्विक सलाहकार, ब्रोकिंग और समाधान सेवाएं मुहैया कराने वाली एक कंपनी की वेतन बजट योजना रिपोर्ट में पाया गया कि भारत में कंपनियां 2022-23 के दौरान 10 प्रतिशत वेतन बढ़ाने के लिए बजट तैयार कर रही हैं। गौरतलब है कि पिछले वित्त वर्ष की वास्तविक वेतन वृद्धि 9.5 प्रतिशत थी। रिपोर्ट के अनुसार भारत में आधे से अधिक (58 प्रतिशत) नियोक्ताओं ने पिछले साल की तुलना में चालू वित्त वर्ष के लिए अधिक वेतन वृद्धि का बजट रखा है। हालांकि, इनमें से एक चौथाई (24.4 प्रतिशत) ने बजट में कोई बदलाव नहीं किया। : 2021-22 की तुलना में केवल 5.4 प्रतिशत ने बजट कम किया है। एशिया प्रशांत (एपीएसी) क्षेत्र में सबसे अधिक वेतन वृद्धि भारत में होगी। अगले साल चीन में छह फीसदी, हांगकांग और सिंगापुर में चार फीसदी वेतन बढ़ेगा। यह रिपोर्ट अप्रैल और मई 2022 में 168 देशों में किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। इसके लिए भारत में 590 कंपनियों से बात की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में करीब 42 फीसदी कंपनियों ने अगले 12 महीने के दौरान पॉजिटिव बिजनेस रेवेन्यू आउटलुक का अनुमान जताया है। जबकि केवल 7.2 फीसदी ने निगेटिव आउटलुक की बात कही है। रिपोर्ट के मुताबिक इंजीनियरिंग सेक्टर में वेतन 52.9 फीसदी, आईटी में 65.5 फीसदी, सेल्स में 35.4 फीसदी, तकनीक कुशल क्षेत्र में 32.5 फीसदी और फाइनेंस में 17.5 की बिजनेस रेवेन्यू ग्रोथ देखने को मिल सकती है। वित्तीय सेवा (10.4 फीसदी), बैंकिंग व प्रौद्योगिकी (10.2 फीसदी) और मीडिया व गेमिंग सेक्टर (10 फीसदी) में सर्वाधिक वेतन वृद्धि होगी।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । (एजेंसी)

वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट का सिलसिला जारी है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों ने बुधवार सुबह पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है, जो देश में सबसे सस्ता है। अगर कच्चे तेल की बात करें तो पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव करीब घटकर 92.51 डॉलर प्रति बैरल, जबकि डब्ल्यूटीआई तीन डॉलर से ज्यादा गिरकर 86.85 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए

और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

मुंबई में सीएनजी 6 और पीएनजी 4 रुपए सस्ती

मुंबई । (एजेंसी)

महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में बड़ी कटौती कर दी है। नई कीमतें बुधवार से लागू हो गई हैं। सीएनजी-पीएनजी की कीमतों में गिरावट सरकार के उस फैसले के बाद आई है, जिसमें घरेलू प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बढ़ाने पर जोर दिया गया था। एमजीएल ने कहा कि सीएनजी के दाम 6 रुपए प्रति किलोग्राम घटा दिए गए हैं, जबकि पीएनजी के भाव में 4 रुपए प्रति स्टैंडर्ड के यूबिक मीटर (एससीएम) की कटौती की गई है। मुंबई में अब सीएनजी 80 रुपए किलो और पीएनजी 48.50 रुपए प्रति एससीएम पहुंच गई है। एमजीएल ने अगस्त के पहले सप्ताह में सीएनजी और पीएनजी के भाव बढ़ा दिए थे, जो अप्रैल से अब तक छठी बढ़ोतरी थी। तब कंपनी ने पीएनजी के भाव 4 रुपए और सीएनजी के 6 रुपए बढ़ाए थे। इसी कीमत को एक तरह से अब वापस ले लिया गया है। कीमतों में कटौती का स्वागत करते रिक्शा यूनियन के नेता थंपी कुरियन ने कहा कि यह ऑटो रिक्शा चालकों के साथ मुंबईवासियों के लिए भी अच्छा फैसला है।

इसके बावजूद हमें रिक्शा के मिनिमम किराए में 3 रुपए की बढ़ोतरी करनी पड़ेगी। सीएनजी वाहन चलाना न सिर्फ पेट्रोल-डीजल के मुकाबले सस्ता पड़ता है, बल्कि इससे पर्यावरण को भी कम नुकसान होता है। मुंबई मेट्रो क्षेत्र में 18 लाख घरों में खाना पकाने के लिए पीएनजी का इस्तेमाल हो रहा है।

सैमसंग के गैलेक्सी जेड फोल्ड4 की बुकिंग शुरू

नई दिल्ली। (एजेंसी)

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण विनिर्माता सैमसंग ने अपने सबसे महंगी स्मार्टफोन श्रृंखला के स्मार्टफोन गैलेक्सी जेड फोल्ड4 की भारतीय बाजार में बुकिंग शुरू कर दी है। इस स्मार्टफोन के सबसे अधिक दाम वाले संस्करण की कीमत करीब 1.85 लाख रुपए है। वैश्विक स्तर पर सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड4 की कीमत गैलेक्सी फोल्ड3 के बराबर ही है। भारतीय ग्राहकों को मुख्य रूप से रुपए के मूल्य में गिरावट के कारण थोड़ी अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। सैमसंग ने कहा कि चौथी पीढ़ी के मुड़ने वाले गैलेक्सी जेड फोल्ड4 और गैलेक्सी जेड फ्लिप4 देश में सभी खुदरा स्टोर पर बुकिंग के लिए उपलब्ध है। कंपनी के अनुसार, 12जीबी रैम और 256 जीबी स्टोरेज के साथ आने वाले गैलेक्सी जेड फोल्ड4 संस्करण की कीमत 1,54,999 रुपए रखी गई है। वहीं 12 जीबी रैम और 512 जीबी स्टोरेज वाले संस्करण की कीमत 1,64,999 रुपए और 12 जीबी तथा एक टीबी की स्टोरेज वाले इस स्मार्टफोन की कीमत 1,84,999 रुपए है। सैमसंग ने पिछले साल गैलेक्सी जेड फोल्ड3 के 12 जीबी रैम और 256 जीबी वाले संस्करण को 1,49,999 रुपए और 12 जीबी तथा 512 जीबी स्टोरेज वाले संस्करण को 1,57,999 रुपए में पेश किया था।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फीफा ने ब्राजील-अर्जेंटीना क्वालीफाइंग मैच रद्द किया

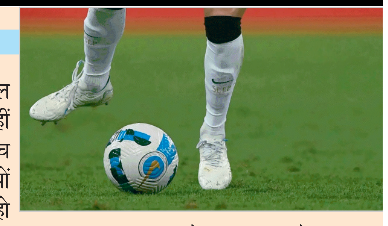

साओ पाउलो । ब्राजील और अर्जेंटीना के बीच विश्व कप का निलंबित क्वालीफाइंग मैच अब नहीं खेला जाएगा। दोनों देशों के फुटबॉल संघों की आपसी सहमति के बाद विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने इस मैच को रद्द कर दिया। दोनो ही टीमें के क्वालीफायर नहीं खेलने के लिए जुर्माना भरने के लिए तैयार होने के बाद फीफा ने मैच रद्द किये जाने की घोषणा की। गौरतलब है कि यह क्वालीफाइंग मैच सितंबर में खेल शुरू होने के कुछ मिनट बाद ही रोकना पड़ा था क्योंकि जब ब्राजील के स्वास्थ्य अधिकारियों ने अर्जेंटीना के चार खिलाड़ियों पर कोरोना प्रोटोकॉल तोड़ने का आरोप लगाया था। इस कारण मैच के बीच में ही अधिकारी मैदान में आ गये थे जिससे मुकाबला पूरा नहीं हो पाया। फीफा यह मैच अगले महीने कराना चाहता था पर ब्राजील और अर्जेंटीना दोनों ने ही कतर में होने वाले विश्व कप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर लिया है। ऐसे में ये मैच केवल औपचारिकता भर था। इसलिए दोनो ही टीमों ने अपने खिलाड़ियों को चोटिल होने के किसी भी खतरे से बचाने के लिए इसे रद्द करना ही बेहतर समझा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले एकदिवसीय में जीत से शुरुआत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

दोपहर 12.45 से शुरु होगा मैच

हरारे ।

लोकेश राहुल की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों से भरी भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज का पहला मैच खेलने उतरेगी। इस मैच में भारतीय टीम जीत के साथ ही सीरीज की शुरुआत करना चाहेगी। युवा बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी इस मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं। राहुल को आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के कारण टीम में शामिल किया गया है। अंतिम ग्यारह में जगह के लिए उनका मुकाबला शुभमन गिल से रहेगा। इस मैच में राहुल और अनुभवी शिखर धवन के पारी शुरु करने की उम्मीद है। राहुल काफी समय बाद टीम में वापसी कर रहे हैं , ऐसे में सभी की नजरें उनके प्रदर्शन पर रहेंगी। चोटिल होने के बाद जर्मनी में हुई सर्जर और कोरोना संक्रमण के कारण राहुल पिछले काफी समय से खेल नहीं पाये हैं। ऐसे में उनके लिए यहां रन बनाना आसान नहीं रहेगा। अब देखना है कि वह जिम्बाब्वे के गेंदबाजों से कैसे निपटते हैं। हाल में बांग्लादेश पर मिली जीत के बाद जिम्बाब्वे के हौंसले बढ़े हुए हैं। इस मैच में भारत की बल्लेबाजी राहुल, धवन पर टिकी रहेगी हालांकि टीम के पास शुभमन गिल, दीपक हुड्डा , ईशान किशन और संजू सैमसन जैसे कई अच्छे बल्लेबाज हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो भारत के पास मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, दीपक चाहर और कुलदीप यादव जैसे गेंदबाज जबकि शार्दुल ठाकुर और अक्षर पटेल जैसे मैच विजेता ऑलराउंडर भी हैं। वहीं दूसरी ओर मेजबान जिम्बाब्वे के पास सिकंदर रजा, रेजिस चकाबवा और इनोसेंट केइया जैस अच्छे बल्लेबाज हैं जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ रन बनाने में माहिर हैं। इस मैच में युवा दीपक चाहर और कुलदीप यादव के प्रदर्शन पर भी चयनकर्ताओं की नजरें रहेंगी। आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए इस मैच में सभी युवा खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे क्योंकि चयनकर्ताओं की नजरें इस सीरीज में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी। भारत ने 2013 से इस मैदान में नौ मैच खेले हैं और सभी में जीत दर्ज की है, हालांकि जिम्बाब्वे को इस बार कम आंकना भूल होगी। टीम के उपकप्तान धवन ने भी माना है कि जिस प्रकार उसने बांग्लादेश के खिलाफ तीस सौर रनों के लक्ष्य का प्रीछा किया था उससे पता चलता है कि मेजबान टीम कमजोर नहीं है।

पाक से मुकाबले पर ध्यान देने की जगह एशिया कप जीतने का लक्ष्य रखें : गांगुली

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने टीम के कप्तान रोहित शर्मा से कहा है कि एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच पर ही ध्यान देने की जगह उन्हें खिताब जीतने का लक्ष्य रखना चाहिये। एशिया कप 27 अगस्त से यूएई में खेला जाएगा पर दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें 28 अगस्त हो होने वाले भारत-पाक मैच पर टिकी हैं। इस मैच को लेकर कितना उत्साह है उसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि केवल 2 घंटे के अंदर ही इस मैच के सारे टिकट बिक गए। गांगुली ने कहा है कि भारत को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर ही ध्यान देने की जगह एशिया कप जीतने पर ध्यान देना चाहिये। गांगुली ने कहा, 'मैं इसे एशिया कप के रुप में देख रहा हूं। मैं भारत और पाक के रूप में किसी टूर्नामेंट को नहीं देखता हूं। मैं चाहता हूं कि हमारी टीम भी इसी सोच के साथ ही एशिया कप के लिए मैदान में उतरे। मैं जब क्रिकेट खेल रहा था, तब भी पाक के साथ मैच को किसी अन्य क्रिकेट मुकाबले की तरह ही देखता था। मेरा ध्यान हमेशा ही टूर्नामेंट जीतने पर रहता था। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम काफी अच्छी है और उम्मीद है कि एशिया कप में भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। गौरतलब है कि भारत और पाक के बीच अब तक एशिया कप में 14 मुकाबले हुए हैं। इसमें से 8 भारत ने जबकि 5 मुकाबले पाक ने जीते हैं। 28 अगस्त को 15वीं बार दोनों टीमें एशिया कप में आमने-सामने होंगी। भारत और पाक के बीच एशिया कप में लीग स्तर के बाद दो बार और मुकाबला हो सकता है। एक सुपर-फोर में दूसरा फाइनल में इन दोनों टीमों का मुकाबला हो सकता है।

विश्व चैम्पियनशिप से पहले रूस में अभ्यास करेंगे रवि दहिया, मंत्रालय ने दी मंजूरी

नई दिल्ली : खेल मंत्रालय अगले महीने सर्बिया में होने वाली विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप के लिए ओलंपिक रजत पदक विजेता पहलवान रवि दहिया की रूस में तैयारी का खर्च उठाएगा। मंत्रालय ने टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत दहिया की रूस के ब्लादिकावकाज में तैयारी को मंजूरी दी है। टोक्यो ओलंपिक में 57 किलोवर्ग में रजत पदक विजेता दहिया आज रात रवाना होंगे। उनके साथ कोच अरूण कुमार, अभ्यास साझेदार साहिल और फिजियो मुनीश कुमार भी जाएंगे। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार उनकी यात्रा, वीजा, रहने का खर्च टॉप्स के तहत वहन किया जाएगा। यह शिविर 29 दिन चलेगा और उसके बाद दहिया सर्बिया के बेलग्रेड में विश्व चैम्पियनशिप में भाग लेंगे। बर्मिंघम में हाल ही में हुए राष्ट्रमंडल खेलों से पहले भी दहिया ने बुल्गारिया में विशेष अभ्यास शिविर में भाग लिया था और बुल्गारिया, तुर्की और मंगोलिया में प्रतियोगिताओं में खेले थे।

आईसीसी ने घोषित किया भारतीय पुरुष टीम का भविष्य दौरा कार्यक्रम

इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला होगी

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने साल 2023 से 2027 तक का भविष्य दौरान कार्यक्रम (एफटीपी) पारी कर दिया है। इस दौरान 12 सदस्य देश 777 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे जिनमें 173 टेस्ट, 281 एकदिवसीय और 323 टी20 मैच शामिल है। मौजूदा सत्र में टीमों ने 694 मैच खेले हैं। इस चक्र में आईसीसी की दो पुरूष टेस्ट चैम्पियनशिप, आईसीसी टूर्नामेंट और द्विपक्षीय और तीन देशों की श्रृंखलायें भी शामिल हैं। इसके तहत भारतीय पुरूष टीम 2023 से अप्रैल 2027 के बीच पांच साल में 138 द्विपक्षीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। इसके अलावा भारतीय टीम पांच साल में 38 टेस्ट, 39 एकदिवसीय और 61 टी20 मैच खेलेगी पर इसमें पाकिस्तान के खिलाफ कोई द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं रखी गयी है।

इस दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी चार मैचों की बजाय पांच मैचों की हो गई है। भारतीय टीम इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया दोनों के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला खेलेगी। भारत को जुलाई अगस्त 2023 में वेस्टइंडीज दौरे पर दो टेस्ट, तीन एकदिवीसय और तीन

टी20 मैच खेलने हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू श्रृंखला जनवरी से मार्च 2024 के बीच होगी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम पूर्व चक्र के कार्यक्रम के तहत अगले साल की शुरूआत में भारत में चार टेस्ट खेलेगी। भारतीय टीम 2024-25 में ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट खेलेगी और 1991 के बाद यह पहली बार होगा। भारतीय टीम सितंबर 2024 में अपनी घरेलू धरती पर बांग्लादेश से दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी।

संक्षिप्त समाचार

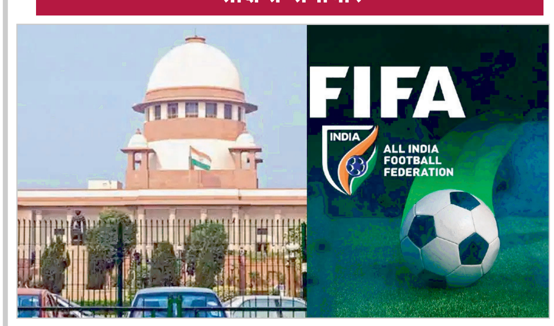

सुप्रीम कोर्ट ने एआईएफएफ निलंबन मामले में सुनवाई 22 अगस्त तक के लिए स्थगित की

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) निलंबन मामले पर सुनवाई 22 तक के लिए स्थगित कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई के दौरान केंद्र से अंडर 17 विश्व कप के आयोजन को सुनिश्चित करने और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के निलंबन को हटाने के लिए सक्रिय कदम उठाने को कहा। इसपर केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केन्द्र अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी को लेकर विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) के साथ बातचीत कर रहा है। इसी के तहत अब तक फीफा के साथ दो बैठकें हुई हैं। इसमें विश्व कप की मेजबानी को लेकर समस्या का हल निकालने के प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके बाद शीर्ष अदालत ने इस मामले की सुनवाई 22 अगस्त तक के लिए टाल दी। इससे पहले फीफा ने ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन पर नियमों के उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। फीफा ने तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप का आरोप लगाते हुए एआईएफएफ को निलंबित कर दिया। ऐसे में भारत में अक्टूबर में होने वाले अंडर-17 महिला विश्वकप की मेजबानी खतरे में आ गयी। फीफा निलंबन के फैसले के बाद अब भारत में फुटबॉल महासंघ उसकी सभी बातों को मानने के साथ ही तय समय पर चुनाव कराने के लिए भी तैयार है।

राहुल ने तस्वीर साझा कर बताया , खेलने के लिए तैयार हूं

हरारे । जिम्बाब्वे दौरे के लिए कप्तान बने लोकेश राहुल इस सीरीज से एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। राहुल आईपीएल के बाद से ही चोटिल होने के कारण हुई सर्जरी और उसके बाद कोरोना महामारी के कारण टीम से बाहर थे। भारत और जिम्बाब्वे के बीच गुरुवार से शुरु हो रही एकदिवसीय सीरीज में राहुल के फार्म की परीक्षा होगी। राहुल को शुरुआत में इस दौरे के लिए शामिल नहीं किया गया था पर फिटनेस जांच में पास होने के बाद उन्हें कप्तानी के तौर पर टीम में जगह मिली। वहीं पहले कप्तान बनाये गये धवन का उपकप्तानी दी गयी। राहुल ने सोशल मीडिया पर अपनी तैयारी को लेकर कहा है कि वह खेलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, इन. इसके अलावा उन्होंने भारत का झंडा और ब्लू कलर का दिल भी बनाया है। राहुल इस दौरे में बेहतर प्रदर्शन कर यूएई में शुरू हो रहे टी20 एशिया कप के पहले लय हासिल करना चाहेंगे। आंकड़ों पर नजर डालें एकदिवसीय में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए सलामी बल्लेबाज के तौर पर 21 पारियों में 884 रन बनाये हैं। उनका औसत 47 का है जिसमें 3 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 42 वनडे में 47 की औसत से कुल 1634 रन बनाये हैं जिसमें 5 शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं टी20 में भी राहुल का रिकार्ड काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक टी20 अंतराष्ट्रीय के 56 मैच में 1831 रन बनाये हैं। राहुल ने आईपीएल के 15 वें सत्र में 616 रन बनाए थे जिसमें दो शतक भी थे।

आईसीसी ने पहली बार महिला क्रिकेट के लिए भविष्य दौरा कार्यक्रम बनाया

तीन साल के अंदर 301 मुकाबले खेले जाएंगे

मुम्बई ।

अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुष क्रिकेटरों की तरह ही महिला क्रिकेट के लिए भी भविष्य दौरा कार्यक्रम फ्यूचर टूर प्रोग्राम (एफटीपी) जारी किया है। इसके तहत साल 2022 से 2025 तक तीन साल के अंदर विश्व भर में महिला क्रिकेट में तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 301 मुकाबले खेले जाएंगे। इस एफटीपी के तहत विभिन्न देशों की महिला क्रिकेट टीमों के बीच 7 टेस्ट, 135 एकदिवसीय और 159 टी20 मैच होंगे। मई 2022 से इसकी शुरुआत हुई है। यह एफटीपी अप्रैल 2025 के अंत तक जारी रहेगा। यह पहली बार है जब महिला क्रिकेटरों के लिए भी एफटीपी जारी किया गया है। इससे पहले केवल पुरुष क्रिकेटरों के लिए ही एफटीपी की घोषणा होती थी। महिला क्रिकेट के लिए तैयार की गई एफटीपी में साल 2025 के अप्रैल के अंत तक सभी देशों के लिए अंतरराष्ट्रीय सीरीज का कार्यक्रम जारी किया गया है। इसमें भारत में होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप तक के मैच भी शामिल हैं। महिला क्रिकेट के लिए जारी पहले एफटीपी में 2024-25 में इंग्लैंड के ऑस्ट्रेलिया दौरे में होने वाली एशेज सीरीज भी शामिल है। इस प्रकार तीन साल के अंदर इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम सबसे अधिक पांच टेस्ट मैच खेलेगी। वहीं ऑस्ट्रेलिया चार , दक्षिण अफ्रीका तीन और भारत दो टेस्ट खेलेगा। भारतीय महिला क्रिकेट पहली बार जारी इस भविष्य दौरा कार्यक्रम के तहत अगस्त 2022 से जनवरी 2025 के बीच 2 टेस्ट, 24 एकदिवसीय और 36 टी20 खेलेगी। टी20 वर्ल्ड कप और आईसीसी के दूसरे इवेंट के मुकाबले इसमें शामिल नहीं हैं। भारतीय टीम दोनो ही टेस्ट अपने देश में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। वहीं दिसंबर में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 टी20 की सीरीज होगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अप्रैल 2025 तक आईसीसी महिला चैंपियनशिप में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, आयरलैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज खेलेगी, जबकि इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ उन्हीं की धरती पर खेलेगी।

डिविलियर्स की तरह बल्लेबाजी करते हैं सूर्यकुमार : पोंटिंग

दुबई ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की सराहना करते हुए कहा है कि सूर्यकुमार दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी एबी डिविलियर्स की तरह से खेलते हैं। पोंटिंग के अनुसार सूर्यकुमार में भी डिविलियर्स की तरह ही मैदान में चारों तरफ शॉट खेलने की क्षमता है। इसलिए उन्हें भी टी20 विश्व कप में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। पोंटिंग ने कहा, ' वह मैदान के चारों तरफ शॉट मारने की क्षमता रखता है ठीक उसी तरह जैसे कि डिविलियर्स किया करते थे। वह हर तरह के शॉट खेल सकता है चाहे वह लेट कट हो या विकेटकीपर के सिर के ऊपर से लगाया का शॉट। वह जमीन से लगता हुआ शॉट भी लगा सकता है। उन्होंने कहा, 'वह लेग साइड मैं बहुत अच्छे शॉट लगाता है विशेषकर डीप स्क्वायर लेग पर लगाए गए उसके फ्लिक शानदार होते हैं। वह तेज गेंदबाजी और स्पिन गेंदबाजी दोनों का अच्छा खिलाड़ी है। सूर्यकुमार ने अब तक भारत के लिए 23 टी-20 मैचों में 672 रन बनाए हैं। वह आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के बाबर आजम के बाद दूसरे स्थान पर हैं। पोंटिंग ने कहा, 'वह बेहद आकर्षक खिलाड़ी है और मुझे पूरा विश्वास है कि और टी-20 विश्व कप के लिए टीम में शामिल होगा।ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रशंसकों को उनका खेल पसंद आएगा।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने रणतुंगा से 43 करोड़ रुपए का हर्जाना मांगा

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने विश्व कप विजेता टीम के कप्तान रहे अर्जुन रणतुंगा से 43 करोड़ रुपए का हर्जाना मांगा है। बोर्ड के अनुसार रणतुंगा ने हाल में एक साक्षात्कार के दौर बोर्ड पर झूठे, अपमानजनक आरोप लगाये थे। बोर्ड ने इस मामले में इस पूर्व कप्तान को लेटर ऑफ डिमांड भी भेजा है। बोर्ड की ओर से जारी बयान में कहा गया, रणतुंगा ने दुर्भावनापूर्ण इरादे से कई बातें कहीं जिससे एसएलसी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट की कार्यकारी समिति के खिलाफ झूठे और मनगढ़ंत आरोप लगाकर सार्वजनिक टिप्पणी भी की। इस कारण से समिति ने रणतुंगा को डिमांड लेटर भेजकर 43 करोड़ रुपए की मांग की है। वहीं दूसरी और रणतुंगा की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। 58 साल के रणतुंगा श्रीलंका के शीर्ष क्रिकेटरों में से एक रहे हैं। उन्होंने श्रीलंका की ओर से 93 टेस्ट मैचों में 36 की औसत से 5105 रन बनाये हैं। जिसमें 4 शतक और 38 अर्धशतक शामिल थे। वहीं एकदिवसीय क्रिकेट की बात करें, तो उन्होंने 269 मैच में 36 की औसत से 7456 रन बनाए जिसमें 4 शतक और 49 अर्धशतक शामिल थे।

आयरिश क्रिकेटर केविन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

मुम्बई ।

आयरलैंड के ऑलराउंडर केविन ओ ब्रायन ने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। केविन ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से एक पोस्ट साझा कर अपने संन्यास की घोषणा की है। इसमें इस क्रिकेटर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में लगातार समर्थन के लिए कोच, परिवार, पत्नी और प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने यह भी कहा कि वह टी20 विश्व कप के बाद संन्यास लेने पर विचार कर रहे थे पर खराब प्रदर्शन और उसके कारण टीम से बाहर होने के कारण उन्हें समय से पहले ही यह फैसला लेना पड़ा। ब्रायन पिछले 16 साल से क्रिकेट खेल रहे हैं पर पिछले एक साल से वह टीम से बाहर थे। वह आयरलैंड की ओर से सबसे ज्यादा समय तक खेलने वाले क्रिकेटरों में शामिल हैं। इस क्रिकेटर ने साल साल 2006 में एकदिवसीय के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। उन्होंने साल 2008 में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच स्कॉटलैंड के खिलाफ खेला था। साल 2018 में केविन ने पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला। 38 साल के केविन ने सभी फॉर्मेट में कुल 266 मैच खेले हैं। इस बल्लेबाज ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वह इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के बाद संन्यास लेने का विचार कर रहे थे पर पिछले साल से टीम से बाहर होने के कारण उन्हें ये फैसला करना पड़ा। इस क्रिकेटर ने अपने करियर में 3 टेस्ट, 153 वनडे और 110 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। उन्होंने लिखा, 'मैं टी20 वर्ल्ड कप के बाद संन्यास लेने के बारे में सोच रहा था पर पिछले साल विश्व कप के बाद से टीम में मुझे जगह नहीं मिली। ऐसे में मुझे लगता है कि चयनकर्ता और टीम प्रबंधन कहीं और ही देख रहे हैं। मैंने आयरलैंड के लिए खेलने के हर क्षण का आनंद लिया है। मेरे काफी दोस्त बने और देश के लिए खेलने की कई यादे मेरे साथ हैं।' केविन ने साथ ही कहा कि वह आयरलैंड में अपनी क्रिकेट कोचिंग अकादमी चलाने के बारे में सोच रहे हैं और भविष्य में उनके पास कई और योजनाएं भी हैं। केविन ने अपने करियर में टेस्ट में 1 शतक और 1 अर्धशतक की मदद से 258,

वनडे में 2 शतक और 18 अर्धशतकों की बदौलत 3619 और 110 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में कुल 1973 रन बनाए. उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक शतक भी जड़ा. इसके अलावा उन्होंने वनडे में 114 और टी20 अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट में कुल 58 विकेट भी लिए हैं।

टेस्ट और एकदिवसीय को बचाये आईसीसी : कपिल

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट का भविष्य खतरे में नजर आ रहा है। कपिल के अनुसार टी20 लीग के बढ़ने से खिलाड़ियों की रुचि टेस्ट ओर एकदिवीसीय में घटती जा रही है। भारत, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और इंग्लैंड में पहले से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की टी20 लीग हो रही हैं। वहीं अब अगले साल से यूएई और दक्षिण अफ्रीका में भी इसी प्रकार की टी20 लीग शुरू हो रही हैं। कपिल ने आईसीसी से कहा है कि वह एकदिवसीय और टेस्ट प्रारुप को बचाने की दिशा में कदम उठाये। कपिल के अनुसार बढ़ती टी20 लीग के कारण ही अब क्रिकेटर व्यस्त कार्यक्रम के नाम पर एकदिवसीय को अलविदा कहने लगे हैं। यहां तक कि दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 में होने वाली एकदिवसीय सीरीज को भी अपनी प्रस्तावित टी20 लीग के कारण रद्द कर दिया है। आईसीसी ने खिलाड़ियों के काम के बोझ को बेहतर ढंग से संतुलित करने की जिम्मेदारी सदस्य देशों पर ही डाल दी है। वहीं कपिल के अनुसार कामकाज के बोझ का प्रबंधन करने की जिम्मेदारी आईसीसी की है। कपिल ने कहा कि टी20 लीग के बढ़ते प्रभाव के बीच आईसीसी को एकदिवसीय और टेस्ट को बचाने की कोशिश करनी चाहिए। ' कपिल ने आगे कहा, 'फुटबॉल में फीफा विश्व कप 4 साल बाद होता है। फुटबॉल खेलने वाले देश एक-दूसरे के खिलाफ उतना नहीं खेलते, जितना क्रिकेट में होता है। ऐसे में खिलाड़ियों का ध्यान अपने क्लब पर रहता है और वो सिर्फ विश्व कप खेलते हैं। ' पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की भी हालत कुछ ऐसी ही होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कृष्ण जन्मभूमि मथुरा है बेहद खास

इन प्रसिद्ध जगहों पर जरूर जाएं एक बार!

भगवान कृष्ण की नगरी कहलाई जाने वाला धार्मिक स्थल मथुरा दुनियाभर में पर्यटकों के बीच प्रसिद्ध है। यहां भगवान कृष्ण के दर्शन करने के लिए विश्वभर से पर्यटक आते हैं। ये स्थल भगवान श्री कृष्ण जन्मभूमि से भी जाना जाता है। विशेषतौर होली मानाने के लिए यहां दूर-दूर से लोग आया करते हैं। यहां कृष्ण मंदिर के अलावा कई अन्य जगह भी हैं जहां आप घूमने के लिए जा सकते हैं। मथुरा से करीब 56 किलोमीटर की दूरी पर आगरा है। आप चाहें तो मथुरा के साथ-साथ आगरा भी घूमने जा सकते हैं। वहीं, अगर आप मथुरा घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आज हम आपको जिन प्रमुख जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं वहां आप घूमने जा सकते हैं। आइए आपको मथुरा के कुछ प्रमुख स्थानों के बारे में बताते हैं...

कृष्ण जन्मभूमि

अगर आप मथुरा जा रहे हैं तो सबसे पहले कृष्ण जन्मभूमि मंदिर ही जाएं। कृष्ण जन्मभूमि से ही आपको ये साफ हो गया होगा कि ये कृष्ण भगवान का जन्म स्थान है। बता दें कि इस मंदिर को उसी कारागार के बाहर बनाया गया है जहां भगवान कृष्ण ने जन्म लिया था। कहते हैं कि यहां कृष्ण भगवान की शुद्ध सोने से बनी 4 मीटर की मूर्ति थी, जिसको महमूद गजनवी द्वारा चुरा लिया गया था।

बांके बिहारी मंदिर

मथुरा के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक बांके बिहारी मंदिर है। ये राधा वल्लभ मंदिर के पास स्थित है। बता दें कि भगवान कृष्णा का दूसरा नाम बांके बिहारी भी है। इस मंदिर में बांके बिहारी की मूर्ति काले रंग की होती है। इस मंदिर में पहुंचने के लिए आपको संकरी गलियों से जाना पड़ेगा।

द्वारकाधीश मंदिर

अगर आप भगवान कृष्ण से संबंधित घटनाएं कलाकृतियां देखना चाहते हैं तो द्वारकाधीश मंदिर जा सकते हैं। ये मंदिर विश्राम घाट के निकट स्थित है। इसका निर्माण साल 1814 में किया गया था। इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ लगी रहती है, खासतौर पर जन्माष्टमी में यहां ज्यादा भीड़ देखने को मिलती है।

मथुरा संग्रहालय

मंदिर के दर्शन करने के अलावा आप म्यूजियम भी देखने जा सकते हैं। साल 1974 में मथुरा संग्रहालय का निर्माण किया गया था। इस संग्रहालय का पहले नाम ?कर्जन म्यूजियम ऑफ आर्कियोलॉजी? था। यहां आप कुषाण और गुप्त वंश से संबंधित कई कलाकृतियां देख सकते हैं। यहां अनोखी वास्तुकला और कई कलाकृतियों हैं, इसका चित्र भारत सरकार के स्टैंप पर भी छापा गया है।

कुसुम सरोवर

मथुरा के प्रमुख स्थानों में से एक कुसुम सरोवर है। ये लगभग 60 फीट गहरा और 450 फीट लंबा है। इस सरोवर का नाम राधा के नाम पर रखा गया है। कहते हैं कि यहां भगवान कृष्ण और राधा मिलने के लिए आया करते थे। कुसुम सरोवर में कई लोग नहाने भी आते हैं, यहां का पानी शांत और साफ-सुथरा है। यहां पर होने वाली शाम की आरती यहां का मुख्य आकर्षण केंद्र, कई पर्यटक इस दृष्य को अपने कैमरे में भी कैद करते हैं।

गोवर्धन पर्वत

अगर आप मथुरा घूमने आए हैं तो गोवर्धन पर्वत के दर्शन करने भी जरूर जाएं। इसका हिन्दू पौराणिक साहित्य में बेहद खास महत्व है। पौराणिक ग्रंथो के अनुसार भगवान कृष्ण ने अपनी एक छोटी उंगली से इस पर्वत को उठा लिया था। इस पर्वत का दर्शन करने वाले लोग इसके चक्कर जरूर लगाते हैं। मान्यता है कि ऐसा करना अच्छा होता है और भगवान कृष्ण की खास कृपा होती है।

कंस किला

जयपुर के महाराजा मानसिंह द्वारा कंस किले का निर्माण किया गया था। अकबर के नवरत्नों में मानसिंह शामिल थे। हिन्दू और मुगल वास्तुकला के मिश्रण का अच्छा नमूना ये मंदिर यमुना नदी के किनारे स्थित है।

10 साल पहले नक्सलियों का गढ़ था त्रिपुरा का बंश ग्राम, आज है पर्यटकों का पसंदीदा स्थल

त्रिपुरा भारत के सभी पूर्वोत्तर राज्यों में एक सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य है। विरासत और ऐतिहासिक स्थल, सैकड़ों साल पुराने मंदिर, वन्यजीव स्थल और एक संपन्न कला और शिल्प उद्योग, त्रिपुरा का आकर्षण हैं। एक समय में त्रिपुरा में कुछ ऐसी घटनाएं हुई जिसकी वजह से इस राज्य की छवि पर असर पड़ा लेकिन अब हालत पूरी तरह से बदल चुके हैं। त्रिपुरा पर्यटकों के लिए एक बेहतरीन पसंद बनता जा रहा है। पिछले कुछ सालों में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई हैं। त्रिपुरा भारत के उन यात्रा स्थलों में से एक है जो परिवारों, दोस्तों, कपल और सोलो यात्रियों को आकर्षित करता हैं। वैसे तो त्रिपुरा में घूमने के लिए कई बेहतरीन हॉटस्पॉट है लेकिन आजकल एक खास स्थल की लोकप्रियता काफी बढ़ गयी है। इस खूबसूरत जगह का नाम है बंश ग्राम। त्रिपुरा के कटमारा गांव की सीमा के तहत अगरतला से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित, बंश ग्राम त्रिपुरा में सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां पर आप देख सकते हैं कि भारी संख्या में पर्यटकों का जमावड़ा है। इस जगह के बारे में अभी ज्यादा जानकारी गूगल पर उपलब्ध नहीं है लेकिन जो लोग वहां जा चुके हैं उन्होंने इस जगह की काफी तरीफें की है। बंश ग्राम में आप नैचुरल खूबसूरती देख सकते है। घनें जंगल, शुद्ध हवा, झीलों से घिरे बंश ग्राम में पर्यटकों के लिए काफी अच्छी व्यवस्था है। आज से दस साल पहले बंश ग्राम में एक ऐसा हादसा हुआ था जिसके बाद इस जगह को यहां के निवासी छोड़कर भाग गये थे। एक दशक से भी कम समय पहले, बंश ग्राम इलाका अपनी उग्रवादी गतिविधियों के लिए जाना जाता था। 1999 में पंचबती हत्याकांड के बाद विशेष रूप से प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (अअस्र) द्वारा बंश ग्राम में 18 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गयी थी। हत्या के बाद बड़ी संख्या में लोग यहां से भाग गए थे। बंश ग्राम नाम के इस इलाके में एक बहुत की शानदार रेस्टोरेंट भी है जहां पर्यटक खाने पीने के लिए आते हैं। इस जगह का नाम बंश ग्राम है। बंश ग्राम के संस्थापक मन्ना रे ने कहा कि उन्होंने इसे बनाया था। स्थानीय संसाधनों के उपयोग से इको-टूरिज्म डेस्टिनेशन को बढ़ावा देने के लिए सुंदर बांस का सहारा लेकर इस जगह को बनाया है। प्रकृतिक चीजों से बना बंश ग्राम लोगों के बीच काफी मशहूर हो रहा है। बांस की झोपड़ियों से लेकर कुर्सियां, मेज, पुल, वॉचटावर यहां सब कुछ बांस से बना है।

अमरकंटक : तपोभूमि और प्राकृतिक छटा जहां जाने से मिलता है मोक्ष

मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ तहसील में स्थित नर्मदा नदी का उद्गम स्थल अमरकंट कई ऋषि-मुनियों की तप-स्थली होने के साथ ही यह स्थल आध्यात्मिक और प्राकृतिक दृष्टि से बहुत ही सुंदर और मनोरम है। अमरकंटक का उल्लेख महाभारत काल में भी मिलता है। ऐतिहासिक दृष्टि से भी यह स्थल महत्वपूर्ण है।

तपस्थली : कहते हैं, किसी जमाने में यहां पर मेकल, व्यास, भृगु और कपिल आदि ऋषियों ने तप किया था। ध्यानियों के लिए अमरकंटक बहुत ही महत्व का स्थान है। जगतगुरु शंकराचार्य ने यही पर नर्मदा के सम्मान में नर्मदाष्टक लिखा था। भारत भ्रमण करते समय शंकराचार्य ने कुछ दिन यहां गुजारे और कई मंदिरों की स्थापना की। बीर ने भी यहां कुछ समय बिताया था, जिसे आज कबीर चौरा के नाम से जाना जाता है।

मंदिर : अमरकंट के कोटितीर्थ के मंदिरों के अलावा यहां से कुछ कदमों की दुरी पर कल्चुरि राजाओं के द्वारा बनाए गए मंदिर हैं। यहां स्थित मंदिरों में पातालेश्वर महादेव मंदिर, शिव, विष्णु, जोहिला, कर्ण मंदिर और पंचमठ महत्वपूर्ण है। पातालेश्वर महादेव मंदिर में स्थित शिवलिंग की स्थापना शंकराचार्य ने की थी। इस मंदिर की विशेषता यह है कि शिवलिंग मुख्य भूमि से दस फीट नीचे स्थित है यहां श्रावण मास के एक सोमवार को नर्मदा का पानी पहुंचता है। कोटितीर्थ से आठ किमी उड्डार में स्थित है 'जलेश्वर महादेव'। यहां के मंदिरों को संवारने का कार्य कई शासकों ने किया जिनमें नाग, कल्चुरि, मराठा और बघेल वंश के शासक रहे हैं।

नर्मदा का उद्गम स्थल : कोटितार्थ मां नर्मदा का उद्गम स्थल है। यहां सफेद रंग के लगभग 34 मंदिर हैं। यहां नर्मदा उद्गम कुंड है, जहां से नर्मदा नदी का उद्गम है जहां से नर्मदा प्रवाहमान होती है। मंदिर परिसरों में सूर्य, लक्ष्मी, शिव, गणेश, विष्णु आदि देवी-देवताओं के मंदिर है।

शोण शक्तिपीठ : मध्यप्रदेश के अमरकंटक के नर्मदा मन्दिर शोण शक्तिपीठ है। यहां माता का दक्षिण नितम्ब गिरा था। एक दूसरी मान्यता यह है कि बिहार के सासाराम का ताराचण्डी मन्दिर ही शोण तटस्था शक्तिपीठ है। यहां सती का दायां नेत्रा गिरा था ऐसा माना जाता है। यहां की शक्ति नर्मदा या शोणाक्षी तथा भैरव भद्रसेन हैं।

प्राकृतिक सुंदरता : अमरकंटक अपने प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। अमरकंटक मैकल पर्वतश्रेणी की सबसे ऊंची श्रृंखला है। विंध्याचल, सतपुड़ा और मैकल पर्वतश्रेणियों की शुरुआत यही से होती है। अमरकंटक अपने औषधि वाले जंगल के लिए जाना जाता है। यहां तरह-तरह की औषधियां मिलती हैं।

नदियों का उद्गम स्थल : समुद्रतल से अमरकंटक 3600 फीट की ऊंचाई पर स्थित अमरकंटक को नदियों की जननी कहा जाता है। यहां से लगभग पांच नदियों का उद्गम होता है जिसमें नर्मदा नदी, सोन नदी और जोहिला नदी प्रमुख है। अमरकंटक के कोटितीर्थ से लगभग एक किमी दूर स्थित है सोनमुंग जिसे सोनमुड़ा भी कहते हैं। सोनमुंग से ही सोन नदी का उद्गम होता है जो उड्डार की ओर बहती हुई गंगा नदी में मिल जाती है। सोनमुंग से प्रकृतिक नजारा देखने लायक है। प्रकृतिप्रेमियों के लिए यह जगह आनंद देने वाली है। यहां बंदरों की आप पूरी फौज को देख सकते हैं। यहां के बंदरों की खासियत यह है कि यह सभी भी शांत चिड्डा नजर आते हैं। सोनमुंग से एक किमी दूर स्थित है माई की बगिया। लोक मान्यता अनुसार यहां नर्मदा नदी बचपन में खेल खेला करती थी। माई की बगिया से लगभग 3 किमी दूर स्थित है नर्मदा द्वारा बनाया गया पहला जलप्रपात जिसे कपिलधारा के नाम से भी जाना जाता है।

सेंट्रल लंदन रेलवे आर्च में भीषण आग, बंद किये गये स्टेशन, दमकल की 10 गाड़ियां मौजूद

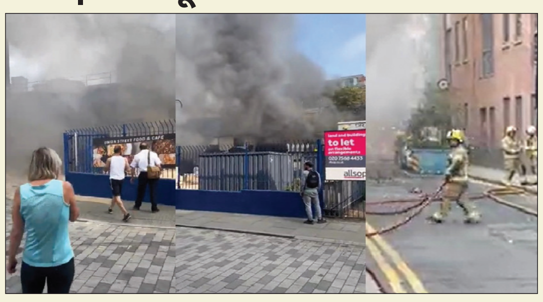

लंदन के साउथवार्क रेलवे स्टेशन पर आग लग गई है। आग लगने की सूचना मिलने पर कुल 70 दमकलकर्मी और उनके साथ 10 गाड़ियां आग बुझाने की कोशिश में लगीं। आग लगने से फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है। लंदन फायर ब्रिगेड ने कहा कि लगभग 70 दमकलकर्मी बुधवार को सेंट्रल लंदन के साउथवार्क में एक रेलवे आर्च में लगी आग पर काबू पाने की कोशिश में लगे हैं। इलाके की ट्रेनों को रोकना पड़ा और कई इमारतों को खाली कराना पड़ा। फायर ब्रिगेड द्वारा ट्विटर पर पोस्ट किए गए फुटेज में रेलवे आर्च के नीचे से धुएं के बड़े गुबार दिखाई दे रहे थे। लंदन अंडरग्राउंड ट्रेनों के साथ-साथ लंदन ब्रिज और साउथवार्क में ओवरग्राउंड ट्रेनें बाधित हो गईं। स्टेशन कमांडर वेन जॉनसन ने दमकल सेवा की वेबसाइट पर एक बयान में कहा, 'आग से भारी धुआं पैदा हो रहा है और स्थानीय क्षेत्र में रहने या काम करने वालों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें।' आग लगने की वजह से लंदन ब्रिज से आने-जाने वाली कई ट्रेनें प्रभावित हुईं हैं तो वहीं कई इमारतों को खाली करा लिया गया है। इस दौरान ब्रिगेड को 35 से अधिक कॉल मिलीं। दमकल अधिकारियों ने कहा कि आग पर दो घंटो के अंदर काबू पा लिया गया। आग क्यों और कैसे लगी, इसकी जांच की जा रही है।

चीन में सूखे के चलते घरों व कारखानों में की जा रही है बिजली कटौती

बीजिंग । चीन के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में सूखे की स्थिति के कारण जलाशयों में पानी की कमी हो गई है, जिससे पनबिजली का उत्पादन प्रभावित हुआ है। इसके बाद बिजली की कटौती की जा रही है। सिचुआन प्रांत में सौर पैनल निर्माताओं के साथ ही सीमेंट और यूरिया उत्पादन करने वाली कंपनियों को बंद कर उत्पादन कम कर दिया गया है। उन्हें पांच दिन तक बिजली की बचत करने का निर्देश दिया गया है। तापमान के बढ़ने के बीच एयर कंडीशन के लिए बिजली की बढ़ती मांग और जलाशयों में पानी की कमी के बाद प्रशासन ने उक्त आदेश दिया है। प्रांतीय सरकार ने आदेश में कहा कि बिजली आम लोगों के लिए छोड़ दी जाए। सिचुआन के आर्थिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के मुताबिक, प्रांत की आबादी 9.4 करोड़ है और पनबिजली जलाशयों का स्तर इस महीने में करीब आधा रह गया है। सिचुआन के शहर डाझुओ में बिजली आपूर्ति कंपनी ने इस हफ्ते ढाई घंटे तक बिजली कटौती लागू की थी लेकिन इस कटौती को बुधवार को बढ़ाकर तीन घंटे तक कर दिया गया।

सितंबर मध्य तक अगले सेना प्रमुख के नाम पर फैसला ले सकते हैं पाक पीएम शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के उत्तराधिकारी की नियुक्ति पर अगस्त के अंत तक चर्चा शुरू कर सकते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि शरीफ मध्य सितंबर तक मुल्क के अगले सेना प्रमुख के नाम पर फैसला ले सकते हैं। जनरल बाजवा (61) साल 2016 में पाकिस्तान के सेना प्रमुख पद पर नियुक्त हुए थे। वह नवंबर के अंत में सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

पाकिस्तान में सेना प्रमुख की नियुक्ति तीन साल के लिए होती है, लेकिन 2019 में एक संक्षिप्त राजनीतिक घटनाक्रम के बीच जनरल बाजवा को तीन साल का सेवा विस्तार दे दिया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने अगस्त 2019 में जनरल बाजवा का कार्यकाल बढ़ा दिया था, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने सेना प्रमुख के पद पर उनकी दोबारा नियुक्ति के संबंध में कानून बनाने का निर्देश दिया था। पाकिस्तान की संसद ने जनवरी 2020 में इस संबंध में कानून पारित किया, जिससे प्रधानमंत्री को अपने विवेक के आधार पर सेवा प्रमुखों के कार्यकाल का विस्तार करने की शक्ति मिल गई।

संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत नेलेन हेज़र ने म्यांमा की यात्रा की

संयुक्त राष्ट्र। म्यांमा के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत नेलेन हेज़र ने दक्षिण पूर्व एशियाई देश की यात्रा की। पिछले साल अक्टूबर में इस पद पर नियुक्त होने के बाद म्यांमा की यह उनकी पहली यात्रा है। नेलेन हेज़र की यात्रा सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के नवीनतम आह्वान के बाद हुई, जिसमें सभी प्रकार की हिंसा खत्म करने और संघर्षग्रस्त देश में मानवीय पहुंच के सभी अवरोधों को तत्काल दूर करने के लिए कहा गया था। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, '' हेज़र बिगड़ती स्थिति और चिंताओं के साथ-साथ अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगी।'' उन्होंने हेज़र के म्यांमा के सैन्य शासकों या देश की पूर्व नेता आंग सान सू ची के साथ मुलाकात करने के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई। गौरतलब है कि सैन्य शासित म्यांमा की एक अदालत ने सोमवार को, देश की अपदस्थ नेता आंग सान सू ची को भ्रष्टाचार के चार और मामलों में दोषी ठहराया था तथा उन्हें अतिरिक्त छह साल कैद की सजा सुनाई थी। सेना द्वारा उनकी निर्वाचित सरकार को हटाए जाने और फरवरी 2021 में उन्हें हिरासत में लिए जाने के बाद सू ची को पहले ही राजद्रोह, भ्रष्टाचार और अन्य आरोपों में 11 साल कैद की सजा सुनाई जा चुकी है। दुजारिक ने कहा, '' राजनीतिक हलकों, नागरिक संगठनों के साथ-साथ चल रहे संघर्ष से प्रभावित समुदायों के सदस्यों के साथ उनके व्यापक परामर्श के बाद हेज़र म्यांमा की यात्रा कर रही हैं।

यूक्रेन से अनाज लेकर रवाना हुआ पहला जहाज सीरिया पहुंचा

दुबई, । यूक्रेन से अनाज लेकर रवाना हुआ पहला जहाज लगता है कि सीरिया पहुंच गया है। एसोसिएटेड प्रेस द्वारा मंगलवार को उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों के विश्लेषण से यह जानकारी प्राप्त हुई है। सीरिया, रूस का करीबी है, इसके बावजूद युद्ध के समय यूक्रेन के साथ उसका खाद्यान्न को लेकर करार हुआ। यूक्रेन की सरकार द्वारा ओडेशा बदंरगाह से यथाशीघ्र रवानगी सुनिश्चित करने के बाद मालवाहक जहाज राजोनी, सीरिया पहुंचा है। यूक्रेन ने समझौता किया है कि युद्ध की वजह से वैश्विक स्तर पर खाद्यान्नों की कीमत में आई वृद्धि से निपटने के लिए वह मक्के, सूरजमुखी तेल और गेंहू के निर्यात के लिए जहाजों की सुरक्षित रवानगी सुनिश्चित करेगा। लेकिन सीरियाई बंदरगाह तरतूस पहुंचा जहाज इंगित करता है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार और सामान की आवाजाही कितनी जटिल हो सकती है। सीरिया को पहले ही यूक्रेन से गेंहू की खेप प्राप्त हो चुकी है जो रूसी कब्जे वाले यूक्रेन के इलाके से भेजी गई थी। प्लानेट लैब्स पीबीसी की तस्वीरों के विश्लेषण से पता चला कि सियेरा लियोन का ध्वज लगा जहाज सोमवार को पूर्वाह्न 11 बजे से कुछ समय पहले सीरिया के बंदरगाह पहुंचा। यह पोत बंदरगाह पर बने अन्न भंडारण केंद्र के बगल में लंगर डाले हुए है, जहां से पूरे देश में गेंहू की आपूर्ति की जाती है। जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाली वेबसाइट मरीनट्रैफिक डॉट कॉम के मुताबिक राजोनी की स्वचालित पहचान प्रणाली(एआईएस) ट्रैकर को शुक्रवार को उस समय बंद कर दिया गया था जब वह साइप्रस तट से कुछ दूरी पर था। जहाजों के लिए अपना एसआईएस ट्रैकर चालू रखना होता है, लेकिन जब जहाजों को अपनी गतिविधि छिपानी होती है तो वे इस प्रणाली को बंद कर देते हैं। सीरिया के बंदरगाह पहुंचने वाले जहाज अकसर अपना एसआईएस ट्रैकर बंद कर देते हैं।

फ्रांस में इंसान से जानवर में फैलने वाला मंकीपॉक्स का पहला मामला

पेरिस । फ्रांस में दुनिया का पहला इंसान से जानवर में फैलने वाला मंकीपॉक्स का मामला सामने आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक मेडिकल जर्नल ने मंकीपॉक्स वायरस के मानव से पालतू जानवरों में फैलने के पहले संदिग्ध मामले के साक्ष्य प्रकाशित किए हैं। ?रिपोर्ट के मुता?बिक फ्रांस में दो पुरुषों के साथ रहने वाले एक कुत्ते में वायरस से संक्रमित होने के 12 दिन बाद लक्षण दिखने लगे हैं। 4 वर्षीय इस कुत्ते के पेट पर घाव और फुंसी जैसे लक्षण दिखने के बाद कराये गए परीक्षण में मंकीपॉक्स होने की पुष्टि हुई है। डीएनए परीक्षण के माध्यम से, शोधकर्ता इस नतीजे पर पहुंचे कि दोनों पुरुषों और कुत्ते को संक्रमित करने वाला वायरस मंकीपॉक्स ही है। खबर के अनुसार मंकीपॉक्स होने के बाद से दोनों पुरुष अपने कुत्ते के साथ क्वारंटाइन हो गए थे।

सिडनी में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में स्मार्ट बिन के प्रतिरुप को लेकर प्रयोग करती हुई छात्राएं।

पुतिन ने अमेरिकी आधिपत्य की आलोचना की

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह यूक्रेन में शत्रुता को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है और यह वैश्विक तौर पर आधिपत्य बनाए रखने के उसके कथित प्रयासों का हिस्सा है। पुतिन ने एक सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने यूक्रेन में सेना इसलिए भेजी क्योंकि अमेरिका उस देश को रूस विरोधी ढाल बनाने का प्रयास कर रहा था। इस सम्मेलन में अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका के सैन्य अधिकारियों ने भी भाग लिया। उन्होंने आरोप लगाया, उन्हें अपना आधिपत्य कायम रखने के लिए संघर्षों की जरूरत है। इसीलिए वे यूक्रेन के लोगों को बलि का बकरा बना रहे हैं। यूक्रेन की स्थिति से पता चलता है कि अमेरिका संघर्ष को लंबा खींचने का प्रयास कर रहा है, और वह ठीक उसी तरह से काम कर रहा है जिस प्रकार एशिया, अफ्रीका और लातिनी अमेरिका में संघर्ष को बढ़ावा देने की कोशिश करता रहा है।÷ पुतिन ने यूक्रेन को अमेरिका के समर्थन की तुलना अमेरिकी संसद अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी की हालिया ताइवान यात्रा से की और आरोप लगाया कि दोनों घटनाक्रम वैश्विक अस्थिरता को बढ़ावा देने के कथित अमेरिकी प्रयास का हिस्सा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी नेता की ताइवान यात्रा स्थिति को अस्थिर बनाने और क्षेत्र तथा पूरी दुनिया में अराजकता पैदा करने के इरादे से जानबूझकर की गई।

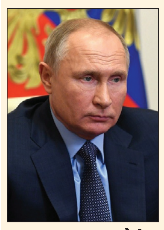

नए भारत के निर्माण में अहम साझेदार होगा अमेरिका : संधू

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि भारतसमृद्धि की नयी ऊंचाइयों पर पहुंचने की इच्छा रखता है और अमेरिका अगले 25 वर्षों में उसकी यात्रा में अहम साझेदार होगा। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका की साझेदारी दोनों देशों तथा दुनिया के लिए सबसे महत्वपूर्ण संबंधों में से एक बन गयी है। संधू ने कहा, ''चूंकि भारत सकारात्मक प्रगति कर रहा है तो हमें भविष्य की पीढ़ियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए और काम करना पड़ेगा। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपील की है...अगले 25 वर्षों का सफर एक नए भारत का निर्माण करेगा। इस 'अमृत काल' का लक्ष्य समृद्धि की नयी ऊंचाइयों पर पहुंचना है।''

उन्होंने सोमवार को भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर इंडिया हाउस में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, ''अमेरिका इस यात्रा में भारत के लिए एक अहम साझेदार होगा।'' संधू ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति बाइडन की अगुवाई में भारत-अमेरिका संबंध दोनों देशों के लिए तथा दुनिया के लिए सबसे अहम संबंधों में से एक बन गए हैं। हम वैश्विक शांति, स्थिरता और मानव विकास के लिए लगातार, मिलकर काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस संबंध में भारतीय प्रवासी समुदाय एक अहम स्तंभ बना रहेगा। इस कार्यक्रम में कुचिपुड़ी, ओडिशी, कत्थक और भरतनाट्यम समेत भारतीय शास्त्रीयनृत्य प्रस्तुतियों के साथ एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय मूल के छात्रों ने भाग लिया। अटलांटा, ह्यूस्टन, शिकागो, न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को में अन्य भारतीय वाणिज्य दूतावास में भी स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

पाकिस्तान में सैन्य चौकियां बनाने का दबाव बना रहा चीन, अपने निवेश को करना चाहता है सुरक्षित

बीजिंग (एजेंसी)।

पाकिस्तान और चीन की दोस्ती दुनिया में किसी से छुपी नहीं है। लेकिन अब चीन ने पाकिस्तान के सामने एक बड़ी समस्या पैदा कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार कहा जा रहा है कि चीन ने पाकिस्तान में काम कर रहे अपने नागरिकों के लिए सैन्य चौकियां बनाने के लिए पाकिस्तान पर दबाव बना रहा है। शीर्ष राजनयिक सूत्रों के अनुसार अपनी बेहद महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल के हिस्से के रूप में संघर्ष-ग्रस्त पाकिस्तान-अफगानिस्तान क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश करने के बाद चीन विशेष रूप से बनाई गई चौकियों में अपने स्वयं के बलों को तैनात करके दोनों देशों में अपने हितों की रक्षा करने की योजना बना रहा है।

चीन पाकिस्तान-अफगानिस्तान मार्ग के माध्यम से मध्य एशिया में अपने प्रभाव का विस्तार करने का इच्छुक है और उसने दोनों देशों में रणनीतिक निवेश किया है। पाकिस्तान में कुछ अनुमानों के अनुसार चीनी निवेश 60 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है। पाकिस्तान न केवल वित्तीय बल्कि सैन्य और राजनयिक समर्थन के लिए भी चीन पर निर्भर है। अपने पक्ष में शक्ति के भारी असंतुलन को देखते हुए, चीन ने पाकिस्तान पर उन चौकियों के निर्माण की अनुमति देने के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया है जहां वह अपने सशस्त्र कर्मियों को तैनात करेगा। अफगानिस्तान, जहां तालिबान अभी शासन कर रहा है, अभी भी कई मामलों में चीन और पाकिस्तान दोनों की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया है। इस्लामाबाद में शीर्ष राजनयिक और सुरक्षा स्रोत की तरफ से नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी अफगानिस्तान और पाकिस्तान में सैन्य चौकियों को स्थापित करने के लिए युद्ध के पैमाने पर काम कर रही है, जो दावा करती है कि यह अपने बेल्ट एंड रोड पहल के सुचारू संचालन और विस्तार होगा।

बिल गेट्स का वैश्विक स्वास्थ्य को लेकर दक्षिण कोरिया के साथ साझेदारी पर जोर

सियोल(एजेंसी)।

जानेमाने उद्योगपति बिल गेट्स ने मंगलवार को दक्षिण कोरिया से कोविड-19 जैसी संक्रामक बीमारियों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में और सहयोग करने का आह्वान किया। गेट्स ने इस बात पर जोर भी दिया कि दुनिया को अगली महामारी के लिए बेहतर तरीके से तैयार होने की आवश्यकता है। गेट्स ने सियोल में दक्षिण कोरिया के जनप्रतिनिधियों से बात करते हुए, मजबूत अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया जिसमें टीके विकसित करने के प्रयास शामिल हैं, जो कोरोना वायरस की व्यापक श्रृंखला के खिलाफ प्रभावी होंगे। उन्होंने इसे वैश्विक स्वास्थ्य में ''संकट के क्षण'' करार दिया। उन्होंने कहा कि बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और दक्षिण कोरिया की सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी असमानताओं को दूर करने और विकासशील दुनिया में संक्रामक रोगों के उन्मूलन के प्रयासों का समर्थन करने के उद्देश्य से देशों के बीच एक साझेदारी के लिए प्रतिबद्धता जतायी है। उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य उपकरणों, अनुसंधान और टीका निर्माण में दक्षिण कोरिया की ताकत का उल्लेख किया और संयुक्त राष्ट्र समर्थित कोवैक्स वितरण कार्यक्रम में 20 करोड़ अमरीकी डालर दान करने की देश के संकल्प की प्रशंसा की। कोवैक्स वितरण कार्यक्रम निम्न-आय वाले देशों को कोविड-19 टीके प्रदान करता है।

रूसी तेल खरीद पर जयशंकर की यूरोपीय देशों को दो टूक, अपने नागरिकों के लिए सबसे अच्छा सौदा पाना हमारा नैतिक कर्तव्य

नई दिल्ली (एजेंसी)।

यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत की आलोचना पर पलटवार करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस कदम को सही ठहराते हुए बयान दिया है। एस जयशंकर ने बैंकॉक में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान कहा कि हर देश उच्च उर्जा कीमतों को कम करने के लिए सबसे अच्छा सौदा सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा और भारत भी यही कर रहा है। एस जयशंकर ने कहा कि भारत के लिए सबसे अच्छा सौदा सुनिश्चित करना उनका नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने आगे कहा कि नई दिल्ली रूसी कच्चे तेल पर अपनी स्थिति के बारे में बहुत ईमानदार और खुली है और दुनिया को इस वास्तविकता को स्वीकार करने की जरूरत है।

यूक्रेन में युद्ध के बीच मास्को से आपूर्ति बंद करने के लिए भारत पर अमेरिका के बढ़ते दबाव के बीच यह बात दोहराई गई है। जयशंकर ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'यूरोप मध्य पूर्व और अन्य स्रोतों से बहुत अधिक खरीद रहा है जिन्होंने भारत की आपूर्ति की होगी। आज यही स्थिति है जहां प्रत्येक देश अपने नागरिकों के लिए सर्वोत्तम संभव सौदा पाने के लिए स्वाभाविक रूप से प्रयास करेगा और उच्च ऊर्जा कीमतों के प्रभाव को कम करने का प्रयास करेगा। ठीक यही हम कर रहे हैं।'

जयशंकर ने आगे कहा, 'मेरे पास 2000 डॉलर प्रति व्यक्ति आय वाला देश है। ये वे लोग नहीं हैं जो ऊर्जा की ऊंची कीमतें वहन कर सकते हैं। यह सुनिश्चित करना मेरा दायित्व और नैतिक कर्तव्य है कि मैं उन्हें सबसे अच्छा सौदा दिलाऊं जो मैं कर सकता हूं।' उन्होंने कहा कि अमेरिका सहित देश भारत की स्थिति को जानते हैं और 'उसके साथ आगे बढ़ेंगे।'

आकाश के सबसे चमकीले तारों में से एक हमारी आंखों के सामने दम तोड़ रहा है

मेलबर्न (एजेंसी)।

कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रहता है, जिसमें हमारे रात के आकाश में तारे भी शामिल हैं। हमारे आकाश में चमकीले और अधिक उल्लेखनीय सितारों में से एक है बेटेलगेस, ओरियन के कंधे पर चमकता एक विशालकाय लाल सितारा। 2019 के अंत में, दुनिया भर के खगोलविद उत्साह से भर गए, क्योंकि हमने इस विशालकाय तारे को पहले की तुलना में कमजोर होते देखा। चूंकि बेटेलगेस अपने जीवन के अंतिम चरण में है, इसलिए कुछ अटकलें थीं कि यह अंत से पहले मौत की आहट हो सकती है।

लेकिन इस धुधलेपन का कारण अब तक पूरी तरह से स्पष्ट नहीं था। हार्वर्ड एंड स्मिथसोनियन सेंटर फॉर एस्ट्रोफिजिक्स की एंड्रिया डुप्री के नेतृत्व में सहकर्मी समीक्षा की प्रतीक्षा में नए प्रीप्रिंट शोध में हबल स्पेस टेलीस्कोप का उपयोग इस सदी के सबसे बड़े खगोलीय रहस्यों में से एक - बेटेलगेस के अचानक अजीब व्यवहार के कारण- को उजागर करने में मदद करने के लिए किया। मौत के कगार पर एक सितारा इस नवीनतम शोध से, यह पता चला है कि 2019 में बेटेलगेस शायद एक विशाल सतह द्रव्यमान इजेक्शन (एसएमई) से गुजरा।

एक एसएमई तब होता है जब कोई तारा बड़ी मात्रा में प्लाज्मा और चुंबकीय प्रवाह को आसपास के स्थान में निष्कासित कर देता है। हम पूरी तरह से यह नहीं जानते कि इस एसएमई का कारण क्या है, लेकिन अगर उनके पास कोरोनल मास इजेक्शन के समान पूर्वज हैं जो हमने अपने सूर्य पर देखे हैं, तो वे स्टार के कोरोना में बड़े पैमाने पर चुंबकीय संरचनाओं की अस्थिरता के कारण हो सकते हैं। यह संदेह है कि इस उल्लेखनीय घटना में बेटेलगेस ने अपनी सतह सामग्री का एक बड़ा हिस्सा खो दिया।

वास्तव में, निकाली गई सामग्री की मात्रा आधुनिक खगोल विज्ञान में, किसी तारे पर अब तक देखी गई सबसे बड़ी एसएमई घटना है। वास्तव में उल्लेखनीय बात यह है कि बेटेलगेस ने अन्य सितारों पर एक विशिष्ट घटना की तुलना में 400 अरब गुना अधिक द्रव्यमान निकाला। यह अविश्वसनीय गति से धकेले गए चंद्रमा के द्रव्यमान का कई गुना है। वास्तविक समय में तारकीय विकास बेटेलगेस का खत्म होना एक बड़ी खगोलीय घटना है। खगोलविदों को पता है कि देर-सबेर यह होना ही है, लेकिन हम नहीं जानते कि कब।

(हम जानते हैं कि जब यह होता है, तो यह दिन के आकाश में भी दिखाई दे सकता है!) सितारे कई अलग-अलग आकारों में पैदा होते हैं; कुछ छोटे से शुरू होकर बड़े हो जाते हैं, जबकि कुछ बड़े पैदा होते हैं। बेटेलगेस एक लाल सुपरजायंट है और छोटे से शुरू होकर इसने लाखों वर्षों में अपने बाहरी गोले का विस्तार किया होगा। एक बार बड़े होने पर, लाल सुपरजायंट्स के पास तब तक बहुत लंबा समय नहीं होता जब तक कि वे उस बिंदु तक नहीं पहुंच जाते जहां उनके कोर लोहे का उत्पादन करते हैं और अब परमाणु संलयन को बनाए नहीं रख सकते। हमने पहले भी, बहुत दूर, दूर आकाशगंगाओं में हजारों दूर के तारों को मरते देखा है।

लेकिन हमारे गैलेक्टिक दरवाजे पर इस तरह की प्रक्रिया का अध्ययन करने का यह बहुत अच्छा अवसर है। हमने गोलाकार समूहों, दूर के सुपरनोवा और तारकीय नेबुला जैसी चीजों का अध्ययन करके

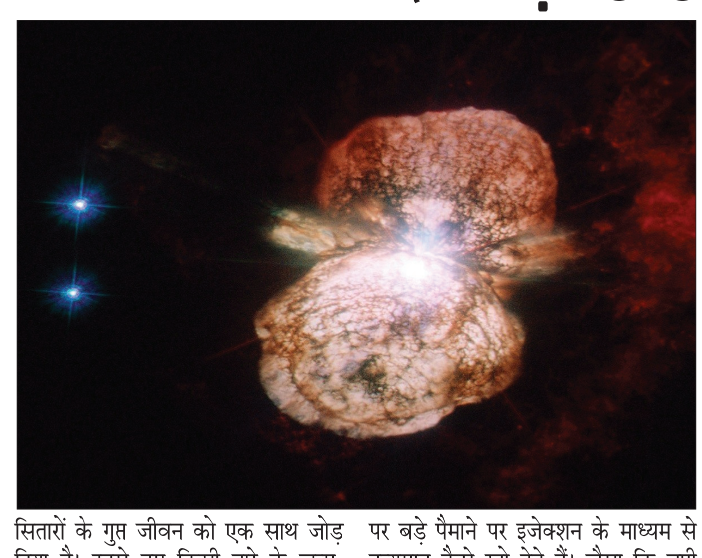

सितारों के गुप्त जीवन को एक साथ जोड़ दिया है। इनसे हम किसी तारे के जन्म, जीवन और मृत्यु को समझ सकते हैं। हालांकि, बीच में अक्सर अंतराल होते हैं। बेटेलगेस हमें एक तारे के अंत के पहले की एक झलक दे रहा है।

पहले से ही इस नवीनतम परिणाम से हम बेहतर ढंग से समझने लगे हैं कि बेटेलगेस जैसे बड़े तारे उम्र के साथ सतह पर बड़े पैमाने पर इजेक्शन के माध्यम से द्रव्यमान कैसे खो देते हैं। जैसा कि डुप्री बताती हैं÷ हमने पहले कभी किसी तारे की सतह का एक विशाल द्रव्यमान निष्कासन नहीं देखा है ... यह एक पूरी तरह से नई घटना है जिसे हम हबल के साथ सीधे देख सकते हैं और सतह के विवरण को समझ सकते हैं। हम वास्तविक समय में तारकीय विकास देख रहे हैं।

महिला अपराध में नए कीर्तिमान बना रहा राजस्थान, सोनिया, राहुल और प्रियंका गांधी वाड्रा चुप क्यों : शेखावत

नई दिल्ली । (एजेंसी)

केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान में बढ़ रहे अपराधों को लेकर अशोक गहलोत सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पिछले 3 साल में मॉब लिंचिंग, महिलाओं के खिलाफ दुर्व्यवहार, बच्चों के साथ अत्याचार, दलितों के खिलाफ अत्याचार, एक मजहब विशेष के लोगों पर बर्बरता, जैसे अपराधों में नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को जब देश स्वतंत्रता दिवस मना रहा था, उस दिन अलवर जिले में मुस्लिम संप्रदाय के लोगों ने एक गांव में सब्जी बेचकर अपनी आजीविका चलाने वाले चिरंजीलाल नाम के युवक को पीट-पीटकर मार डाला। उन्होंने कहा कि जब इतनी बड़ी घटना राजस्थान में हुई, तब से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मानवाधिकार के चैंपियन कहां हैं? केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उदयपुर में जिस तरह की बर्बर और नृशंस हत्या हुई थी। बार बार पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद भी, मृतक और शिकायतकर्ता कन्हैया लाल से ही माफीनामा लिखवाया गया। हत्या से एक दिन पहले भी उसने फोन करके सुरक्षा की गुहार लगाई गई। इसके बावजूद भी कन्हैया को सुरक्षा प्रदान नहीं की गई। उन्होंने कहा कि इस घटना के सूत्र अतिवादी संगठनों और लोगों के साथ जुड़े हुए हैं, ये एनआईए की जांच में सामने आया है। गहलोत सरकार उसमें भी प्रभावी कार्रवाई करने की बजाय चुप्पी साधे रही और मात्र सरकारी नौकरी और मुआवजे का लालच देकर उस मामले को दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के डेटा के अनुसार आज राजस्थान देश में रेप के मामलों में पहले नंबर पर है, नाबालिक बच्चियों की तस्करी के मामले में देश में दूसरे नंबर पर है। इसी बीच उन्होंने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में लड़की हूं, लड़ सकती हूं% का नारा देने वाली प्रियंका गांधी जी को राजस्थान में बच्चियों की बदहाली क्यों नहीं दिखाई देती ? केंद्रीय मंत्री शेखावात ने कहा कि राजस्थान में पिछले 1 साल में 53 नाबालिग लड़कियों की तस्करी के मामले सामने आए हैं, जिनमें से अधिकांश ट्राइबल बेल्ट के हैं। 12 नाबालिग बच्चियों की तस्करी करके उन्हें केरल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि जब ये समाचार छपा, तब तक राजस्थान पुलिस और उसके तहत काम करने वाली मानव तस्करी निरोधी यूनिट को इसकी जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि हाथरस और उन्नाव की घटनाओं पर घड़ियाली आंसू बहाने वाले राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा जो प्रायोजित दौरे करते हैं, उनसे मैं कहना चाहता हूं कि आप राजस्थान में आकर भी कुछ दिन गुजारिये और यहां के हालात देखिए।

मोदी सरकार ने किसानों को दी बड़ी राहत, 3 लाख तक के लोन पर 1.5% की छूट को दी मंजूरी

(एजेंसी)

मोदी सरकार ने किसानों को आज बड़ी राहत देते हुए 3 लाख रुपये तक के अल्पकालिक कृषि ऋण पर 1.5 फीसदी सालाना की ब्याज छूट को मंजूरी दे दी है। इस बारे अधिक जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि किसानों को 3 लाख रुपये तक के अल्पकालिक कृषि ऋण पर 1.5 फीसदी सालाना की ब्याज छूट को मंजूरी दी। कृषि क्षेत्र में पर्याप्त ऋण प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के लिए आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना की सीमा 50,000 करोड़ रुपए तक बढ़ाने को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस योजना के तहत साल 2022-23 से 2024-25 के बीच में 34,856 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट का प्रावधान किया गया है।

जैकलीन फर्नांडिस की बढ़ी मुश्किलें, कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करेगा ईडी

मुंबई ।(एजेंसी)

रंगदारी केस में बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। बताया जाता है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर सकती है। ईडी ने जैकलीन को भी 215 करोड़ के वसूली केस में आरोपी बनाया है। चार्जशीट में कहा गया है कि वह जानती थीं कि सुकेश चंद्रशेखर अपराधी है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने अपनी चार्जशीट में यह बात लिखी है कि जैकलीन फर्नांडिस को इस बात की जानकारी थी कि सुकेश चंद्रशेखर अपराधी है। बता दें कि सुकेश का मामला 215 करोड़ की वसूली से जुड़ा हुआ है। इसकी जांच ईडी कर रही है। जैकलीन को इस मामले में कई बार समन किया गया। वह पिछले हफ्ते भी दिल्ली के ईडी ऑफिस में बयान दर्ज कराने आई थीं। इस जांच में ईडी ने पाया है कि जैकलीन फर्नांडिस अच्छी तरह से जानती थीं कि सुकेश चंद्रशेखर एक कॉनमैन है। उन्हें वसूली के पैसों के बारे में भी पता था। बता दें कि सुकेश ने 10 करोड़ रुपए से ज्यादा की धनराशि अभिनेत्री को दी थी। इसमें से 7 करोड़ 15 लाख रुपये की एफडी हुई थी। इस रकम को अप्रैल में ईडी ने सीज कर लिया था। इसके अलावा 15 लाख रुपए कैश भी सीज कर लिए गए थे।

हालांकि, जैकलीन ने अपने बयान में अब तक यही कहा है कि सुकेश से उनकी जान-पहचान बतौर फैन के रूप में ही रही है। इसके अलावा सुकेश का उनसे कोई लेना-देना नहीं है। वह फैन के रूप में ही उन्हें महंगे गिफ्ट्स देता था। लेकिन ईडी इस बात से सहमत नहीं है। ईडी का कहना है कि अगर ये सबकुछ वसूली के पैसों से किया गया है तो ये सब भी क्राइम के तहत आता है।

कांग्रेस के दो दिग्गज नेता नरेश रावल और राजु परमार भाजपा में शामिल

अहमदाबाद (एजेंसी)

गुजरात चुनाव से पहले आज कांग्रेस के दो दिग्गज नेताओं ने भाजपा जॉइन कर ली. कांग्रेस विधायक नरेश रावल और पूर्व सांसद राजु परमार पहले ही पार्टी से इस्तीफ देकर 17 अगस्त को भाजपा जॉइन करने का ऐलान कर चुके थे. कुछ समय पहले नरेश रावल और राजु परमार ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात की थी. गुजरात विधानसभा के चुनाव जैसे जैसे निकट आ रहे हैं, वैसे वैसे राज्य में दलबदल के मौसम ने रफ्तार पकड़ ली है. एक ओर भाजपा आगामी चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत करने के लिए दिन-रात एक कर रही है, दूसरी ओर कांग्रेस की अंदरुनी कलह तेज होती जा रही है. चुनाव से पहले गुजरात कांग्रेस को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं. चुनाव से पहले गुजरात कांग्रेस के कई विधायक और पदाधिकारी भाजपा जॉइन कर चुके हैं, अब मेहसाणा जिले के कांग्रेस नेता और विधायक नरेश रावल और पूर्व सांसद राजु परमार ने आज भाजपा का दामन थाम लिया है. गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने नरेश रावल और राजु परमार का भगवा पटका पहनाकर पार्टी में स्वागत किया. नरेश पटेल और राजु परमार कांग्रेस के दिग्गज नेता अहमद पटेल के ग्रुप का माना जाता था. दोनों नेता लगातार अहमद पटेल के साथ दिखाई देते थे. हांलाकि अहमद पटेल के निधन के बाद कांग्रेस के कई नेताओं ने पार्टी से किनारा कर लिया है. नरेश पटेल और राजु परमार के भाजपा जॉइन करने से कांग्रेस की मुश्किलें और बढ़ गई हैं. राजु परमार की दलित समाज पर मजबूत पकड़ है.साथ ही मुस्लिम समाज के साथ भी वह काफी समय तक जुड़े रहे हैं. गुजरात विधानसभा के चुनाव निकट हैं. ऐसे में गुजरात में दलित वोट बैंक को रिझाने की रणनीति के तहत राजु परमार को भाजपा में शामिल किए जाने का माना जा रहा है. वहीं नरेश पटेल पिछले काफी समय से कांग्रेस से नाराज चल रहे थे.

चाइल्ड पोर्नोग्राफी मामले में सीबीआई ने 2 हजार पन्ने की चार्जशीट दाखिल की

चंदौली ।(एजेंसी)

चाइल्ड पोर्नोग्राफी मामले में सीबीआई की टीम ने चंदौली कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी। मामले में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो चंदौली की कोर्ट में 4 लोगों के खिलाफ 2 हजार पन्ने की चार्जशीट दाखिल की है। इसमें दो आरोपी चंदौली जिले के हैं। जबकि अन्य दो में से एक आरोपी बांदा जिला और दूसरा पटना जिले के फतुहा का रहने वाला है! बांदा और फतुहा के रहने वाले दोनों व्यक्ति सरकारी कर्मचारी हैं। न्यायालय में दाखिल आरोप पत्र के अनुसार सीबीआई ने बताया कि टीम को चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामले में दो सितंबर 2021 को एक शिकायत मिली थी। मामले में जांच के बाद सीबीआई ने यूपी के सिंचाई विभाग में जूनियर इंजीनियर पद पर तैनात रामभुवन और राउलकेला में लोको पायलट अजीत कुमार के खिलाफ केस दर्ज किया था। रामभुवन बांदा जिले और अजीत कुमार पटना का रहने वाला है। जांच के दौरान ओड़िसा के राउरकेला में लोको पायलट के पद पर कार्यरत अजीत कुमार के यहां पुलिस ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उसके यहां से मोबाइल और लैपटॉप सहित अन्य सामानों की जांच की गई। जांच के दौरान सीबीआई टीम के हाथ चाइल्डपोर्नोग्राफी से संबंधित कई फोटो और वीडियो मिले, जो बांदा के रहने वाले जूनियर इंजीनियर के मोबाइल पर भेज थे। जांच में यह भी तथ्य सामने आया कि दोनों लोग एक एप के माध्यम जुड़े थे। मामले की जांच के वक्त टीम को ज्ञात हुआ कि जनवरी 2015 और फरवरी 2016 में दोनों ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी से संबंधित वीडियो और फोटो को साझा किया था। मामले की जांच के क्रम में सीबीआई के सामने दो अन्य लोगों के नाम भी सामने आए जो कि चंदौली के रहने वाले थे। सीबीआई ने अपने आरोप पत्र में बताया कि, चंदौली के रहने वाले अजय कुमार गुप्ता और अविनाश कुमार सिंह, बच्चों का यौन शोषण कर उसकी फिल्म व फोटो खींचकर उसे ऊंचे दामों पर बेचा करते थे। इसमें एक आरोपी निजी इंस्टीट्यूट का मालिक भी है। सीबीआई की जांच में सामने आया कि जिले के रहने वाले दोनों आरोपी बच्चों को डरा,धमका कर और लालच देकर ऐसा कृत्य कराया करते थे।

कश्मीरी पंडित की हत्या करने वाला आतंकी वानी का मकान होगा कुर्क, पिता और तीन भाई गिरफ्तार

श्रीनगर ।(एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने शोपियां में कश्मीरी पंडित की हत्या करने वाले आतंकी आदिल वानी के मकान को कुर्क करने की प्रक्रिया बुधवार को शुरू कर दी। जबकि उसे शरण देने के आरोप में उसके पिता तथा तीन भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आदिल वानी ने सुनील कुमार भट की हत्या कर दी थी और बाद में कुटपोरा में अपने घर में छिप गया था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी की और तलाशी अभियान चलाया लेकिन वानी पुलिस दल पर ग्रेनेड फेंकने के बाद अंधेरे में फरार हो गया। वह प्रतिबंधित आतंकवादी समूह अल-बद्र का आतंकवादी है। पुलिस ने तलाश अभियान के दौरान वानी के घर से हथियार तथा गोला बारुद बरामद किया, जिसके बाद प्राधिकारियों ने मकान को कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू की और उसके पिता तथा तीन भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। चश्मदीदों और सुनील कुमार के रिश्तेदार ने हमलावर के तौर पर वानी की पहचान की थी। वानी ने सुनील कुमार और उसके भाई पर सेब के बाग में काम करने के दौरान अंधाधुंध गोलियां चलायी थीं। जम्मू कश्मीर पुलिस ने साल की शुरुआत में ऐलान किया था कि वह गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून (यूएलपी) की धारा 2 (जी) और 25 के अनुसार आतंकवाद के उद्देश्य से इस्तेमाल की जाने वाली कुछ अचल संपत्तियों को कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू करेगी।

भाजपा के नए संसदीय बोर्ड से शिवराज बाहर

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारतीय जनता पार्टी की ओर से नए संसदीय बोर्ड का एलान किया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि बोर्ड में वरिष्ठ नेता शिवराज सिंह चौहान और नितिन गडकरी को जगह नहीं मिली है। वहीं बीएस येदियुरप्पा व बीएल संतोष को संसदीय बोर्ड में एंट्री मिली है। नए संसदीय बोर्ड में जेपी नड्डा अध्यक्ष (अध्यक्ष), नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह, अमित शाह, बीएस येदियुरप्पा, सर्बानंद सोनोवाल, के लक्ष्मण, इकबाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव, सत्यनारायण जटिया, बीएल संतोष (सचिव) के अलावा केंद्रीय चुनाव समिति का भी गठन किया गया है। इसमें 15 सदस्यों को शामिल किया गया है। केंद्रीय संसदीय समिति की तरह चुनाव समिति का अध्यक्ष भी जेपी नड्डा को बनाया गया है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को संसदीय बोर्ड में तो जगह मिली पाई है, लेकिन उन्हें भाजपा की दूसरी ताकतवर संस्था चुनाव समिति का सदस्य जरूर बनाया गया है। साथ ही वन मंत्री भूपेंद्र यादव और राजस्थान से आने वाले ओम माथुर को भी भाजपा चुनाव समिति में जगह मिली है।

चुनाव में मुफ्त वाले वादों की आजादी चाहती है आप

- आप ने चुनावी भाषण और मुफ्त उपहारों के वादों को समीक्षा के दायरे से बाहर रखने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी ने चुनावी भाषण और मुफ्त उपहारों के वादों को समीक्षा के दायरे से बाहर रखने की मांग की है। आप ने कहा कि चुनाव से पहले किए गए वादे, दावे और भाषण की आजादी अनुच्छेद 19.1.ए के तहत आते हैं। इन पर रोक कैसे लगाई जा सकती है। आम आदमी पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में दायर शपथ पत्र में कहा कि अनिर्वाचित उम्मीदवारों द्वारा दिए गए चुनावी भाषण भविष्य की सरकार की बजटीय योजनाओं के बारे में आधिकारिक बयान नहीं हो सकते। वास्तव में वे नागरिक कल्याण के विभिन्न मुद्दों पर किसी पार्टी या उम्मीदवार के वैचारिक बयान मात्र हैं। यह नागरिकों को सचेत करने के लिए हैं ताकि वह मतदान में फैसला कर सके कि किसे वोट देना है। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की पीठ के समक्ष सुनवाई होगी। पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा था कि वह एक विशेषज्ञ समिति बनाकर मामले को देखना चाहता है, क्योंकि यह गंभीर मुद्दा है। कोर्ट ने प्रस्तावित समिति में वित्त आयोग, नीति आयोग, रिजर्व बैंक और सरकार के प्रतिनिधि होंगे। चुनाव आयोग ने इस समिति में शामिल होने से मना कर दिया था। आप ने कहा कि विशेषज्ञ समिति यदि बनाई ही जा रही है तो उसे वास्तविक वित्तीय खर्च को नियंत्रित करने का उपाए सुझाने चाहिए लेकिन ये सुझाव विस्तृत सामाजिक कल्याण के संवैधानिक मॉडल पर आधारित हों। चुनाव पूर्व मुफ्त योजनाओं का वादा करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) सत्ता में आई तो प्रदेश में बच्चों को मुफ्त शिक्षा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने के साथ ही दिल्ली की तरह सभी निजी स्कूलों का ऑडिट कराया जाएगा। आप संयोजक केजरीवाल ने वादा किया कि इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद अगर उनकी पार्टी गुजरात में सत्ता में आई तो राज्य के मौजूदा सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे में सुधार किया जाएगा और राज्य भर में बड़ी संख्या में नए स्कूल खोले जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री आरके सिंह का नीतिश सरकार पर हमला, बिहार में जंगलराज शुरू हो गया

पटना । बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद ही राजद कोटे के मंत्री को लेकर विवाद शुरु हो गया। इस लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने पुराने साथी नीतीश सरकार पर हमलावर है। दरअसल, राजद कोटे से मंत्री बने कार्तिकेय सिंह के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज है, और उन्हें 16 अगस्त को अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए वारंट जारी हुआ था। इसी बीच केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता आरके सिंह ने दावा किया कि बिहार में जंगलराज शुरू हो गया है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि मैं बिहार से हूं और जो हो रहा है उससे मैं शर्मिंदा हूं। जंगलराज शुरू हो गया है। कानून मंत्री खुद फरार है, वहां भी अपहरण के मामले में। आपने कैसे आदमी को कानून मंत्री बना दिया जो अनंत सिंह का दाहिना हाथ है। उन्होंने कहा कि अनंत सिंह एक दुर्दांत अपराधी है, मुख्यमंत्री को ये सब नहीं पता है। ये विश्वास करने वाली बात है? कार्तिकेय सिंह को बर्खास्त किया जाना चाहिए। बता दें कि बिहार में 16 अगस्त को दो सदस्यीय मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ, इसमें 31 विधायकों को मंत्रिपद की शपथ दिलाई गई। इस दौरान राजद के 16, जदयू के 11, कांग्रेस के 2 तथा एक निर्दलीय सहित कुल 31 विधायकों ने पद एवं गोपनियता की शपथ ली।

महाराष्ट्र विधानसभा का मानसून सत्र शुरू, विपक्ष ने शिंदे सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

मुंबई । महाराष्ट्र विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने से ठीक पहले विपक्षी दलों ने विधान भवन की सीढ़ियों पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्षी नेता अजीत पवार के नेतृत्व में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), कांग्रेस और अन्य सहयोगी दलों के नेताओं ने किसानों के मुद्दों पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विधायक आदित्य ठाकरे सहित उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के कुछ सदस्यों ने भी नारेबाजी में हिस्सा लिया। कुछ विपक्षी सदस्यों को तख्तियां पकड़े हुए देखा गया, जिन पर शिंदे-फडणवीस नीत सरकार की वैधता पर सवाल उठाए गए थे। दक्षिण मुंबई में राज्य विधान सभा परिसर की सीढ़ियों पर प्रदर्शन कर रहे विपक्षी दल के नेता ने कहा, ''इस सरकार ने उन किसानों की दुर्दशा को नजरअंदाज कर दिया है, जिन्होंने अधिक बारिश के कारण अपनी फसल खो दी थी। सरकार की वैधता भी संदेह के घेरे में है, इसपर कानूनी रूप से बहस की जा रही है।'' अजित इससे पहले कह चुके हैं, जिस तरह से सरकार सत्ता में आई है, यह हमारा सर्वसम्मत विचार है कि शिंदे नीत सरकार निर्धारित संवैधानिक नियमों के मुताबिक नहीं बनी है। इससे जुड़ी याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय का फैसला लंबित है। सरकार को सभी लोकतांत्रिक मूल्यों और नियमों को ताक पर रखकर बनाया गया है। अन्य बातों के अलावा, विपक्ष ने जुलाई और अगस्त में अधिक वर्षा के कारण 15 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि की फसलों को हुए नुकसान का हवाला देते हुए राज्य सरकार से 'बाढ़ की स्थिति' घोषित करने की मांग की है।

सार्वजनिक स्थल पर धूम्रपान करने वाले कर्नाटक अव्वल, 5 लाख लोगों पर लगा जुर्माना

बेंगलुरु । सार्वजनिक स्थल पर धूम्रपान करने वाले 14.3 लाख लोगों पर जुर्माना लगा है, इसमें से 5 लाख अकेले कर्नाटक राज्य के थे। यानी देश भर में 2019-20 और 2021-22 के बीच में करीब 35 फीसद के साथ राज्य जुर्माना लगने वाले लोगों में अव्वल स्थान पर था। सभी दोषियों को सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम की धारा 4 के तहत चालान दिए गए थे। अधिनियम के विज्ञापन पर रोक, व्यापार और वाणिज्य, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण के विनियमन नियम के तहत किसी भी सार्वजनिक स्थल पर धूम्रपान वर्जित है। हालांकि नियम के तहत कुछ अपवाद भी छोड़े गए हैं, जैसे 30 कमरों वाले होटल या 30 से ज्यादा लोगों के बैठने की व्यवस्था वाले रेस्त्रां, एयरपोर्ट जहां पर अलग से धूम्रपान क्षेत्र की व्यवस्था होती है। अधिनियम का मकसद सार्वजनिक स्थल पर धूम्रपान को रोकना है, ताकि धूम्रपान नहीं करने वाले पैसिव स्मोकिंग यानी बगैर सिगरेट पिए उसका नुकसान झेलने से बच सकें। अधिनियम की धारा 4 के तहत ऐसा करते मिलने पर 200 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के डेटा से पता चलता है कि पिछले तीन सालों में केरल, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में भी बड़ी संख्या में लोगों पर जुर्माना लगाया गया है। तीन सालों में इन राज्यों पर लगा जुर्माना एक साथ मिलाकर, देश भर के कुल जुर्माने का 65 फीसद था। 2019-20 में चारों राज्यों के करीब 3.8 लाख लोगों यानी 64.4 फीसद लोगों पर जुर्माना लगाया गया, 2020-21 में यह 81.4 फीसद और 2021-22 में यह 68.7 फीसद था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत का नजारा बिगाड़ा लिंबायत, पुणे, पर्वत पाटिया सड़कें पानी में गायब, हर तरफ देखो पानी ही पानी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर और जिले में भारी बारिश के कारण, सूरत से गुजरने वाली पांच नाले खतरे के स्तर पर बह गई हैं और नाले के किनारे के कुछ इलाकों में नाले का पानी कम हो गया है। लिंबायत में मीठी खादी, पुना और पर्वत पाटिया इलाके बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इस नाले के पानी के कारण आज पुणे कुम्भरिया क्षेत्र में एक मंदिर सहित एक क्षेत्र पानी में डूब गया है। ऐसा लगता है कि लिंबायत, पुना और पर्वत पाटिया की सड़कें पानी में गायब हो गई हैं। मीठी खादी क्षेत्र सूरत शहर और जिले में देर रात बारिश जारी रहने से 1200 से अधिक घरों में पानी भर गया, सूरत से गुजरने वाली खाड़ियां दोनों किनारों पर ओवरफ्लो हो गईं। लिंबायत अंचल के मीठी खादी क्षेत्र के 1200 से अधिक घर डेढ़ से दो फीट पानी में डूब गए हैं. नगर प्रशासन ने स्थिति पर

लगातार नजर रखते हुए बचाव कार्यों के लिए ट्रैक्टर और नावें तैनात की हैं। प्रभावित लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए टैंकरों की व्यवस्था के साथ ही खाने के पैकेटों का वितरण भी शुरू हो गया है. नाले के पानी से क्षेत्र के लोगों की स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम भी तैनात की गई है . नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर बाढ़ के पानी में ओआरएस व अन्य सामग्री बेच रही है. इसके अलावा मोबाइल डिस्पेंसरी का संचालन भी शुरूकर दिया गया है। कोयलीखारी-नहर में पानी डायवर्ट करने के लिए मथामन सानिया हेमाड़ और कुंभरिया में पानी नहीं छोड़ा जाता है। इसके लिए क्या कोयली खादी में पानी डायवर्ट किया जा सकता है और सानिया हेमाड़ से मीठीखडी की ओर आने वाले पानी को नहर में डायवर्ट किया जा सकता है या नहीं, नगर आयुक्त ने व्यवहार्यता की जांच कर टेंडर प्रक्रिया की प्रक्रिया 7 दिनों के भीतर रिपोर्ट देने का आदेश दिया है. . उकाई में बहिर्वाह अंतर्वाह से कम है । वर्तमान में बांध के 6 गेट 6 फीट खोलकर 84 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है. बांध से एक लाख क्यूसेक की आय होती है।

शहर में 1 इंच, उमरपाड़ा में 3 इंच, मध्य क्षेत्र में 27 मिमी, रांदेर में 21, कटारगाम में 18, वराछा-ए में 7, बी में 23, लिंबायत में 18, अठा में 21 और उधना में 31 मिमी पिछले चौबीस घंटे।

2006 से पूर्व फ़िक्स सैलरी की नौकरी में जुड़े कर्मचारियों की सेवा लगातार मानी जाएगी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,राज्य सरकार अधिकारियों-कर्मचारियों के हित में अनेक निर्णय ले रही है। इसी क्रम में बुधवार को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक कर्मचारियो के हित में एक और निर्णय किया गया है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद राज्य सरकार के प्रवक्ता व शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी ने बताया कि राज्य में वर्ष 2006 से पहले फ़िक्स सैलरी पर जुड़े कर्मचारियों की नौकरी की सेवाओं को निरंतर मानने का निर्णय किया गया है। राज्य में फ़िक्स सैलरी नीति के अंतर्गत नौकरी कर रहे कर्मचारियों की नौकरी की सेवाओं को निरंतर मानने संबंधी प्रावधान वित्त विभाग के वर्ष 2017 के प्रस्ताव में किया या था, परंतु वर्ष 2006 से पहले फ़िक्स सैलरी पर जुड़े कर्मचारियों को इस प्रावधान का लाभ नहीं मिलता था। बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक में अब वर्ष 2006 से पहले फ़िक्स सैलरी पर नौकरी में जुड़े कर्मचारियों की नौकरी की सेवा को निरंतर मानने का निर्णय किया गया। वाघाणी ने कहा कि अब राज्य में वर्ष 2006 से पूर्व फ़िक्स सैलरी नीति के अंतर्गत नियुक्ति प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की फ़िक्स सैलरी की पाँच वर्ष की सेवा लगातार मानी जाएगी। इस निर्णय के अंतर्गत वित्त विभाग के दिनांक 18 जनवरी, 2017 के प्रस्ताव के अनुसार दर्शाए गए प्रमोशन तथा उच्चतर वेतनमान सहित सभी लाभों की गणना की जाएगी। इस निर्णय से वर्ष 2006 से पहले फ़िक्स वेतन पर नियुक्त हुए 42,000 से अधिक कर्मचारियों को लाभ होगा। अब इन कर्मचारियों के भी फ़िक्स सैलरी की पाँच वर्ष की सेवा, पदोन्नति, उच्चतर वेतनमान जैसे लाभों की गणना की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस निर्णय से लाभान्वित होने वाले कुल 42,035 कर्मचारियों में 576 पंचायत सहायक/पटवारी, कृपापात्र नियुक्ति प्राप्त करने वाले 1019 कर्मचारी, 331 स्टाफ़ नर्स, 2400 लोकरक्षक तथा 38285 शिक्षक शामिल हैं।

गोविंदा उत्सव समिति के 25 वर्ष पूरे होने पर

भागल में 125,000/- का ईनाम के साथ दहिनहांडी (मटकीफोड) का आयोजन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर गोविंदा उत्सव समिति के अध्यक्ष, भागल चार रास्ता में आयोजित होने वाले मटकीफोड कार्यक्रम को देखने का अवसर लेने के लिए आमंत्रित करते हैं । सावंत श्री ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि हर साल की तरह इस 25वें वर्ष में भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शुक्रवार 19-08-2022 को शाम 4:00 बजे भागल चार रास्ता, गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद श्री सीआर पाटिल साहब मटकी की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सूरत शहर के भागल चार रास्ता में हर साल दहिनहांडी (मटकीफोड) कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है, लेकिन मटकीफोड कार्यक्रम पिछले दो साल से कोरोना के कारण नहीं मनाया गया, जब इस साल 19 अगस्त को जन्माष्टमी का त्योहार होने जा रहा है. सूरत शहर गोविंदा उत्सव समिति ने 25 साल आयोजित करने का निर्णय लिया हैपूरा होने वाला है और इस वर्ष गोविंदा मंडलों की संख्या में भी वृद्धि हुई है, इस कार्यक्रम को देखने के लिए सूरत शहर गोविंदा उत्सव समिति द्वारा जनता को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। रविवार को सूरत शहर गोविंदा उत्सव समिति और गोविंदा मंडल के सदस्यों द्वारा आयोजित बैठक में जन्माष्टमी समारोह के बारे में विचार मंथन किया गया, जिसमें भागल चरस्ता में पहली बार 1.25 लाख रुपये के दहिनहांडी (मटकीफोड) को तोड़ने का निर्णय लिया गया है. जन्माष्टमी 19 अगस्त 2022।

सूरत शहर गोविंदा उत्सव समिति के अध्यक्ष श्री गणेशभाई सावंत के अनुसार, इस वर्ष गोविंदा उत्सव समिति के 25 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है और गुजरात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद श्री सीआर पाटिल द्वारा एक लाख रुपये के पुरस्कार की घोषणा की गई है

नीलेश रियल एस्टेट के नीलेशभाई के साथ जादव द्वारा 12551 और राजभाई रानपिसे द्वारा 12551 राज आयोजनों की भी घोषणा की गई है। इस प्रकार रजत जयंती मटकी का कुल नकद पुरस्कार 1.25 लाख रखा गया है। अधिक पिरामिड बनाने वाले गोविंदा मंडल के अनुसार 1.25 लाख मटके तोड़ने का मौका दिया जाएगा,

लगभग 8 पिरामिड बनाए जाएंगे और 40 फीट ऊंचे मटके इस वर्ष भागल में 4 मटके तोड़े जाएंगे चार रास्ता, जिसमें अंबाजी रोड की जय भवानी महिला मंडल द्वारा पहला मटका तोड़ा जाएगा।

करने वालों को 11,000 नकद पुरस्कारट्रॉफी भी दी सूरत शहर के भागल चार रास्ता में मुख्य बर्तन तोड़ने का पुरस्कार लाल दरवाजा क्षेत्र के श्री लाल दरवाजा बाल मित्र मंडल को गया है, जिन्हें 11 हजार का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी दी जाएगी. जिसमें अदजान क्षेत्र के बालगणेश युवा मंडल को समन्वयक के रूप में शामिल किया जाएगा, जिन्हें 5,100 रुपये का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी दी जाएगी।

जय भवानी स्पोर्ट्स क्लब के इस वर्ष 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं, प्रत्येक गोविंदा मंडल की सर्वसम्मति से उन्हें तोड़ने के लिए एक विशेष मटकी दी जाएगी, जिसे 11,000 रुपये का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी दी जाएगी। इसके अलावा, गणेशभाई सावंत ने कहा कि अब तक 128 गोविंदा मंडलों ने फॉर्म भरा था, जबकि इस साल पिछले साल की तुलना में 13 गोविंदा मंडलों की वृद्धि हुई है,

जिससे अब तक 141 गोविंदा मंडल पंजीकृत हो चुके हैं। , सांसद, सूरत नगर निगम श्री .गोविंदा उत्सव समिति के नेता दीपक कदम, अशोक दुधाने, बालकृष्ण चौहान, जयेश घोगरेकर, लक्ष्मण दिग्गे, चंद्रकांत निंबालकर, शैलेश पवार, राज रणपिसे, दीपक शिंदे, संतोष कदम, बापू लम्बर, महेश पानसरे और हरीश पगर, रमेश धूमल हैं। कमलाकर मोरे व नलिनी.शेगे, कामिनी कदम, जया सावंत, प्रेरणा शिंदे, शीतल कदम और समिति के अन्य सभी पदाधिकारियों ने पूरे कार्यक्रम के लिए विशेष व्यवस्था की है.

पलसाना तालुका में कई स्थानों पर बाढ़ की स्थिति वरेली, हरिपुरा और बालेश्वर में कई घर पानी में

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत जिले में भारी बारिश के कारण पलसाना तालुका में कई स्थानों पर बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। तालुका के बालेश्वर, वरेली और हरिपुरा गांवों ने लोगों को खाली करने के लिए मजबूर किया क्योंकि पानी कई घरों में घुस गया। लगातार हो

रही बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सूरत जिले में पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश से पलसाना तालुका सबसे अधिक प्रभावित हुआ है।

पलसाना तालुका के कई इलाकों में खाड़ी में बाढ़ देखी गई। निचले इलाकों में ५ से ८ फीट पानी भर जाने के बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। वरेली गांव में करीब २० घरों और झोपड़ियों में पानी भर जाने से परिवारों को सुरक्षित जगह पर शरण दी गई है।

इसके अलावा हरिपुरा गांव पलिया की नई बस्ती में २० घरों में नाले का पानी उतरते ही लोग घरेलू सामान व कीमती सामान लेकर बाहर निकल आए. पूरी घटना पर प्रशासन की नजर है और लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी जा रही है.